epaper.dehatsandesh.com

3 राष्ट्रीय एकता दिवस पर दौड़ का आयोजन किया
5 जैनिक सिनर क्वाटरफाइनल में पहुंचे, नंबर 1 रैंकिंग की दौड़ बरकरार
8 केले की खेती

न्यूनतम 17 मौसम जम्मू अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-268 | जम्मू तवी, शनिवार 01 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

विधानसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित, 5 सरकारी विधेयक पारित

श्रीनगर, 31 अक्टूबर । अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया। इसके साथ ही नौ दिनों तक चले सत्र का समापन हो गया। इस सत्र में केंद्र शासित प्रदेश से राज्यसभा की चार सीटों के लिए चुनाव हुए और कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए। कुछ शोरगुल वाली बहसों को छोड़कर सत्र काफी हद तक सुचारू रूप से चला। इस दौरान पाँच सरकारी विधेयक पारित हुए और दो निजी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान विधानसभा सचिवालय को 732 प्रश्न प्राप्त हुए जिनमें से 682 को स्वीकार किया गया जबकि 29 पर चर्चा हुई और सदस्यों द्वारा 73 अनुपूरक प्रश्न उठाए गए। कार्यवाही के दौरान कुल 97 शून्यकाल मुद्दे भी उठाए गए। 14 निजी विधेयक प्राप्त हुए और पिछले सत्रों के 33 लंबित हैं। चर्चा के लिए सूचीबद्ध 41 निजी विधेयकों में से केवल आठ पर ही बहस हुई और सभी या तो सरकारी आश्वासन के बाद वापस ले लिए गए या प्रस्तावना के चरण में ही ध्वनिमत से खारिज कर दिए गए। इसके अतिरिक्त 67 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए जिनमें से 10 पर चर्चा हुई। चौदह निजी प्रस्ताव स्वीकार किए गए हालाँकि केवल एक ही पारित हुआ। एकमात्र बड़ा व्यवधान तब हुआ जब भाजपा विधायकों ने सदन से वाकआउट किया, जब अध्यक्ष राथर ने उधमपुर के विधायक पवन गुप्ता द्वारा जम्मू-कश्मीर में बाढ़ पीड़ितों की स्थिति पर बहस की मांग करते हुए लाए गए स्थगन प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। सत्र का समापन करते हुए अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में उनके सहयोग के लिए सभी सदस्यों का धन्यवाद करता हूँ।

जम्मू में 1.55 लाख से अधिक, कश्मीर में 60,791 श्रेणी प्रमाण पत्र जारी किए गए

श्रीनगर, 31 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर में श्रेणी प्रमाणपत्र जारी करने में एक गंभीर क्षेत्रीय असमानता सामने आई है। 2025 के पहले नौ महीनों के दौरान जारी किए गए सभी प्रमाणपत्रों में से 70 प्रतिशत से ज्यादा जम्मू में जारी किए गए। विधायक सज्जाद गनी लोन के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में समाज कल्याण विभाग ने विधानसभा को बताया कि 1 जनवरी से 30 सितंबर के बीच केंद्र शासित प्रदेश में कुल 2,15,863 श्रेणी प्रमाणपत्र जारी किए गए। इनमें से 1,55,072 प्रमाणपत्र यानी 71.8 प्रतिशत जम्मू में जारी किए गए, जबकि 60,791 प्रमाणपत्र यानी 28.2 प्रतिशत कश्मीर में जारी किए गए।

2019 से अब तक 631 गैर-निवासियों ने जम्मू-कश्मीर में 130 करोड़ रुपये मूल्य की 386 कनाल ज़मीन खरीदी : सरकार

श्रीनगर, 31 अक्टूबर। राजस्व विभाग द्वारा जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पेश किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से जम्मू-कश्मीर के बाहर के कुल 631 लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में 386 कनाल से ज़्यादा ज़मीन खरीदी है।

विधायक शेख अहसान अहमद द्वारा उठाए गए अतारांकित प्रश्न संख्या 286 के लिखित उत्तर में विभाग ने खुलासा किया कि अक्टूबर 2019 और 2025 के बीच गैर-निवासियों द्वारा किए गए ये भूमि लेनदेन कुल मिलाकर 129.97 करोड़ रुपये के थे। कुल मिलाकर जम्मू संभाग में 378 खरीदारों ने 90.48 करोड़ रुपये मूल्य की 212 कनाल, 13 मरला और 128 वर्ग फुट ज़मीन खरीदी जबकि कश्मीर संभाग में 253 बाहरी लोगों ने 39.49 करोड़ रुपये में 173 कनाल 7 मरला ज़मीन खरीदी। आँकड़ों से यह भी पता चलता है कि केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से ज़मीन ख़रीदने वालों की संख्या 2020 के बाद लगातार बढ़ी है। 2020 में केवल एक कनाल ज़मीन खरीदी गई जबकि 2021 में 57 बाहरी लोगों ने 24 कनाल से ज़्यादा ज़मीन ख़रीदी। 2022 में यह आँकड़ा तेज़ी से बढ़कर 127 और 2024 में 169 हो गया। चालू वर्ष 2025 में जम्मू-कश्मीर के बाहर के 158 लोगों ने 106 कनाल और 11 मरला से ज़्यादा ज़मीन ख़रीदी है, जिसका मूल्य 37.17 करोड़ रुपये है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि अक्टूबर 2019 से शॉपिंग मॉल अस्पताल या कॉलेज के निर्माण के लिए बाहरी लोगों या गैर-निवासियों को कोई ज़मीन आवंटित नहीं की गई है।

जल शक्ति मंत्री से मिला विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल

श्रीनगर, 31 अक्टूबर । विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा से श्रीनगर स्थित नागरिक सचिवालय में मुलाकात की और उन्हें अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न जनहितैषी मुद्दों से अवगत कराया।

मंत्री से मुलाकात करने वाले विधायकों में सज्जाद शफी उरी, जावेद इकबाल धाकड़, चौधरी जफर अली खटाना, सलमान सागर और शब्बीर अहमद कुल्लाय शामिल थे। बैठक के दौरान विधायकों ने जलापूर्ति अवसंरचना के विस्तार और सुदृढ़ीकरण, पेयजल सुविधाओं में सुधार और जनता को विश्वसनीय और समान जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अन्य संबंधित मुद्दों को उठाया। मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यानपूर्वक सुनी और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी जायज मांगों और विकास संबंधी चिंताओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने जल शक्ति विभाग के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं (एसई) और कार्यकारी अभियंताओं (एक्सईएन) को निर्देश दिया कि वे जनता की शिकायतों के प्रभावी और समय पर निवारण के लिए विधायकों के साथ निकट संपर्क और नियमित समन्वय बनाए रखें।

खबर संक्षेप

ऑपरेशन महादेव के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के 20 अधिकारियों को केंद्रीय गृहमंत्री दक्ष पदक से सम्मानित किया गया

श्रीनगर, 31 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर पुलिस के 20 अधिकारियों को उच्च जोखिम वाले ऑपरेशन महादेव में उनकी भूमिका के लिए गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया गया है। पहलगाम आतंकवादी हमले के तीन महीने बाद इस ऑपरेशन में तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया हुआ।

मारे गए आतंकवादियों में 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड सुलेमान उर्फ आसिफ, जिबरान और हमजा अफगानी भी शामिल थे। जिबरान अक्टूबर 2024 में हुए सोनमर्ग सुरंग हमले से भी जुड़ा था। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से एक एम4 कार्बाइन राइफल दो एके राइफल और अन्य हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था।

सम्मानित अधिकारियों में आईजी कश्मीर विधि कुमार बिरदी, डीआईजी मध्य कश्मीर पांडे राजीव ओमप्रकाश, एसएसपी श्रीनगर जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, एसपी कार्गो तनवीर अहमद डार, एसपी ज़ोहेब तनवीर, डीएसपी विक्रम नाग, डीएसपी मुबाशिर नाइज़, डीएसपी शाकिर हसन, इंस्पेक्टर तासीर हामिद, एसआई अंचल सिंह, एसआई फिरोज अहमद डार, एएसआई बशारत रसूल शाह, एएसआई मोहम्मद शफी, हवलदार जावेद अहमद, हवलदार संदीप खुजुरिया, एसजीसीटी वरुण सिंह, एसजीसीटी महमूद खान, सीटी सुहैल अब्बास और सीटी बशारत कादिर शामिल है।

स्पीकर ने विधायक द्वारा सदन में रील देखने के दावे पर पत्रकार के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया

श्रीनगर, 31 अक्टूबर.। जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने शुक्रवार को कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने वाले एक पत्रकार के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी जिसमें दावा किया गया था कि विधायक सदन की कार्यवाही के दौरान फोन पर रील देख रहे थे।

शुक्रवार सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही करनाह विधायक जावेद मिरचल ने अपने वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने का मुद्दा उठाया।

मिरचल ने कहा कि एक पत्रकार ने गुरुवार को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान यह वीडियो तब बनाया जब वह मोबाइल पर स्क्रॉल कर रहे थे। विधायक ने कहा कि मैं कल कार्यवाही के दौरान अपने मोबाइल पर स्क्रॉल कर रहा था। एक पत्रकार ने इसे रिकॉर्ड कर लिया और सोशल मीडिया पर डाल दिया, यह आरोप लगाते हुए कि मैं समय बर्बाद कर रहा हूँ। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और पोर्टल के फेसबुक पेज पर इसे लगभग 63,000 बार देखा जा चुका है जिसके लगभग दस लाख फ़ॉलोअर्स हैं। मिरचल ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग मुझे फ़ोन कर रहे हैं और वह पूरी रात सो नहीं पाए। इस मुद्दे पर बोलते हुए गुरेज से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक नज़ीर अहमद खान गुरेजी ने कहा कि वे पत्रकार के ख़िलाफ़ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पीकर राठेर ने कहा कि मैं सदन को आश्वस्त करता हूँ कि दोषी के ख़िलाफ़ उचित कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर उपराज्यपाल ने रन फॉर यूनिटी को दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर, 31 अक्टूबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर तथा राष्ट्रीय एकता दिवस पर श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाई दौड़ शुरू होने से पहले उपराज्यपाल ने प्रतिभागियों को एकता की शपथ दिलाई और देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के सामूहिक संकल्प की पुष्टि की। इस कार्यक्रम में छात्रों, युवाओं और अधिकारियों ने भाग लिया जो सद्भाव और राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतीक है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में नागरिक प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को एकता की शपथ दिलाई; सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

मैं सभी से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए समर्पण भाव से काम करने का आग्रह करता हूँ- उपराज्यपाल सिन्हा

श्रीनगर, 31 अक्टूबर। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को एकता की शपथ दिलाई।

उपराज्यपाल ने भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लोगों से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए समर्पण भाव से काम करने का आग्रह किया।

, उपराज्यपाल ने कहा- राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को एकता की शपथ दिलाई और भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए समर्पण भाव से काम करने का आग्रह किया।

एनडीए का संकल्प-पत्र आत्मनिर्भर और विकसित बिहार का विजन : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शुक्रवार को चुनावी संकल्प पत्र जारी किया। इस संकल्प पत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के विजन को साकार रूप देने वाला बताया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जारी हुआ एनडीए का संकल्प-पत्र आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के हमारे विजन को स्पष्ट रूप से सामने लाता है। इसमें यहां के किसान भाई-बहनों, युवा साथियों और माताओं-बहनों के साथ ही राज्य के मेरे सभी परिवारजनों के जीवन को और आसान बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि बिहार के चौतरफा विकास के लिए राज्य की डबल इंजन सरकार ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है, जिससे हमारा यह राज्य बड़े-बड़े बदलाव का साक्षी बना है। इसमें और तेजी लाकर हम सुशासन को जन-जन की समृद्धि का आधार बनाने के लिए कृतसंकल्प हैं। मुझे विश्वास है कि हमारे इन प्रयासों को जनता-जनार्दन का भरपूर समर्थन मिलेगा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पटना में एनडीए गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने साझा रूप से अपने चुनावी वादों का ऐलान किया।

सुरनकोट में भालू का हमला, ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

जम्मू, 31 अक्टूबर । पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के गांव मलहान में जंगली भालू के हमले में एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान 30 वर्षीय अब्दुल खालिक पुत्र मियां मोहम्मद निवासी गांव मलहान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अब्दुल खालिक घर के पास भेड़-बकरियां चरा रहा था तभी अचानक एक जंगली भालू ने उस पर हमला कर दिया जिससे उसके सिर और बाजू में गंभीर चोटें आईं।घायल को पहले राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जीएमसी राजौरी रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में भालुओं की संख्या इतनी अधिक हो गई है कि लोग डर के कारण घरों से बाहर निकलने में भी हिचकिचा रहे हैं।

डिग्री कॉलेजों का उन्नयन जनता की ज़रूरतों के अनुसार होगा, राजनीतिक हस्तक्षेप के बिना : शिक्षा मंत्री

श्रीनगर, 31 अक्टूबर। शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज कहा कि जम्मू-कश्मीर में नए डिग्री कॉलेज खोलने के किसी भी प्रस्ताव पर विचार करने से पहले, 52 नए स्वीकृत डिग्री कॉलेजों को पूरी तरह से कार्यात्मक बनाया जा रहा है। मंत्री ने आज विधानसभा में डिग्री कॉलेजों की स्थापना के संबंध में विधायकों निज़ामुद्दीन भट, डॉ. राजीव कुमार भगत, मुज़फ़्फ़र इक़बाल ख़ान, चौधरी अकरम और डॉ. रामेश्वर सिंह के एक संयुक्त प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जम्मू-कश्मीर में डिग्री कॉलेजों का उन्नयन किसी भी प्रकार के राजनीतिक हस्तक्षेप के बिना, बल्कि जनता की ज़रूरतों के अनुसार होगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जो किसी भी समाज के विकास को दर्शाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन क्षेत्रों को वोट बैंक के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। मंत्री ने बताया कि मंजाकोट में डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए, व्यवहार्यता/स्थान की जांच करने और कॉलेजों की स्थापना के लिए वंचित क्षेत्रों की पहचान करने हेतु राज्य स्तरीय सशक्त स्थायी समिति का गठन पहले ही किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक विभाग को प्रस्तुत व्यवहार्यता रिपोर्ट के अनुसार, लोअर सरूला गाँव में 72 कनाल (15 मरला), लोअर मंगर (नगर) गाँव में 9 कनाल और देहरी धारा गाँव के तलवाड़ में 56 कनाल संरक्षक भूमि कॉलेज की स्थापना के लिए उपलब्ध कराई गई थी। अरनिया डिग्री कॉलेज की स्थापना के संबंध में, मंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग को विधायकों सहित समाज के विभिन्न वर्गों से मांगें प्राप्त हो रही हैं, जिनका इस विषय पर व्यवहार्यता मानदंडों के अनुसार मूल्यांकन किया जा रहा है।

आधार-आधारित प्रोफाइलिंग के माध्यम से 1 लाख से अधिक आकस्मिक और दैनिक वेतनभोगी श्रमिक पंजीकृत- जीएडी

श्रीनगर, 31 अक्टूबर। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा को सूचित किया कि कुल 1,00,501 अस्थायी मज़दूरों, दिहाड़ी मज़दूरों और अन्य ज़रूरतमंद कर्मचारियों का आधार-आधारित बायोमेट्रिक पहचान और कौशल प्रोफ़ाइलिंग के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण किया गया है। पुलवामा के विधायक वहीद पारा द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के उत्तर में जीएडी ने यह विवरण साझा किया जिसमें पुष्टि की गई कि केंद्र शासित प्रदेश के सभी विभागों में आधार-लिंक पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग में ऐसे कर्मचारियों की संख्या सबसे ज्यादा 13,616 है, इसके बाद विद्युत विकास विभाग में 38,585 और शिक्षा विभाग में 12,646 पंजीकृत कर्मचारी हैं।काफ़ी संख्या वाले अन्य विभागों में वन विभाग (8,317), लोक निर्माण विभाग (6,801) और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग (4,868) शामिल हैं।

बयान में आगे बताया गया है कि इन श्रमिकों को आकस्मिक श्रमिक, मौसमी श्रमिक, दैनिक वेतनभोगी श्रमिक, अंशकालिक श्रमिक, सीआईसी संचालक, एनवाईसी श्रमिक, अस्पताल निधि कर्मचारी और अन्य संबंधित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

यह डेटा एक व्यापक कार्यबल प्रोफाइलिंग प्रक्रिया का हिस्सा है जो सरकारी विभागों में आकस्मिक और आवश्यकता-आधारित श्रमिकों की नियुक्ति में पारदर्शिता लाने और रिकॉर्ड को सुव्यवस्थित करने के लिए किया गया है।

राजौरी में शहरों और कस्बों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु 37.77 करोड़ रुपये आवंटित : उपमुख्यमंत्री

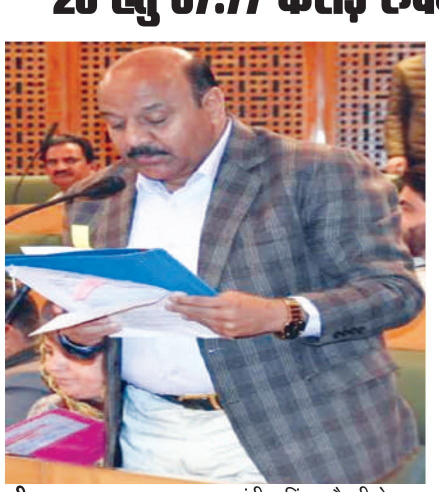

श्रीनगर, 31 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज बताया कि राजौरी जिले में शहरों और कस्बों के अंतर्गत 277 कार्यों के लिए वर्ष 2025-26 हेतु 37.77 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री आज विधानसभा में विधायक इफ्तिखार अहमद द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने बताया कि मिनी सचिवालय, राजौरी को विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा वर्ष 2011-12 के लिए 10.00 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से 7.50 करोड़ रुपये का उपयोग किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि स्तंभों के निर्माण सहित उप-संरचना का कार्य स्थल पर पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, फ़हालांकि, इस मुद्दे के समाधान के लिए जिला प्रशासन के साथ बातचीत की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजौरी जिले में नाबार्ड और यूटी कैपेक्स के तहत 53 परियोजनाओं के लिए 4942.16 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है, जिसके अंतर्गत कालाकोट-सुंदरबनी, नौशहरा, राजौरी, बुधल और सुरनकोट क्षेत्र शामिल हैं।

मिनी सचिवालय राजौरी पर 7.50 करोड़ रुपये खर्च होने की बात कही

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने जीएसटी अधिनियम में हालिया संशोधनों को मंजूरी दी

श्रीनगर, 31 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शुक्रवार को वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम में उन संशोधनों को मंजूरी दे दी, जिन्हें हाल ही में जीएसटी परिषद में पारित किया गया था। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में अनुसमर्थन के लिए विधेयक पेश किया। जम्मू-कश्मीर वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 में संशोधन संबंधी विधेयक पर ध्वनिमत से विचार किया गया। हालांकि, भाजपा विधायक पवन गुप्ता विधेयक में संशोधन पेश करना चाहते थे, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने उन्हें यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि इस समय संशोधन नहीं किए जा सकते। गुप्ता ने कहा, मैं उन सुधारों की बात कर रहा हूँ जो राज्य को करने हैं। हम केंद्रीय अधिनियम को चुनौती नहीं दे रहे हैं। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने इस मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गुप्ता वित्त राज्य मंत्री रह चुके हैं और उनसे बेहतर जानते हैं कि जीएसटी एक संघीय अधिनियम है और इस विधानसभा में इसमें कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। अब्दुल्ला ने कहा, मैं जो सदन के समक्ष रख रहा हूँ, उसे जीएसटी परिषद ने मंजूरी दे दी है। हम इसे केवल अनुमोदन के लिए रख रहे हैं। अध्यक्ष राठेर ने कहा कि इस समय अधिनियम में संशोधन नहीं किया जा सकता और सदन का समय बर्बाद किए बिना विधेयक पारित किया जाना चाहिए।

फिक्की एफएलओ ने भूटान में सतत और समावेशी विकास की दिशा में बढ़ाया कदम

थिम्फू (भूटान)। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के महिला प्रकोष्ठ फिक्की एफएलओ की 42वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा के नेतृत्व में एक सस्टेनेबल स्टडी डेलीगेशन ने भूटान का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य सतत विकास, महिला उद्यमिता और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना था।

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा गर्ग के नेतृत्व और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष स्मृति पुरी के संयोजन में 34 सदस्यीय इस प्रतिनिधिमंडल ने भूटान के वरिष्ठ नेताओं, संस्थानों और उद्यमियों से मुलाकात की और देश के प्रसिद्ध सतत विकास, नियंत्रित पर्यटन और ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस मॉडल से सीख ली। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व अध्यक्ष डॉ. हरजिंदर कौर तलवार और उज्ज्वला सिंघानिया, राष्ट्रीय संयुक्त कोषाध्यक्ष सुगुणा रविचंद्रन, तथा चैप्टर चेयर मोना सिंह और प्रतिभा कुंडा शामिल थीं। इसके अलावा, गवर्निंग बॉडी सदस्य कुवरानी ऋतु सिंह, अंबर परिधि साहा, मिनल जैन, नम्रता मिश्रा, ऋतिका सरना, रूबी गर्ग और सुनीता कानोरिया भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहीं, जो एफएलओ के विविध नेतृत्व और सतत विकास के प्रति एकजुट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण भूटान के राजा महामहिम द्रुक ग्यालपो जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ विशेष मुलाकात रही। महामहिम ने गेलफू माइंडफुलनेस सिटी की अपनी दृष्टि साझा की—एक ऐसा अनूठा प्रयास जो माइंडफुलनेस, नवाचार और सतत विकास को एक साथ जोड़ता है। पूनम शर्मा ने कहा, फ़महामहिम का माइंडफुल जीवन और सतत प्रगति का दृष्टिकोण हमें गहराई से प्रेरित करता है। यह एफएलओ की इस सोच से मेल खाता है कि महिलाएँ एक अधिक टिकाऊ और न्यायपूर्ण भविष्य की निर्माता हैं।

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है– योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

मनुष्य पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

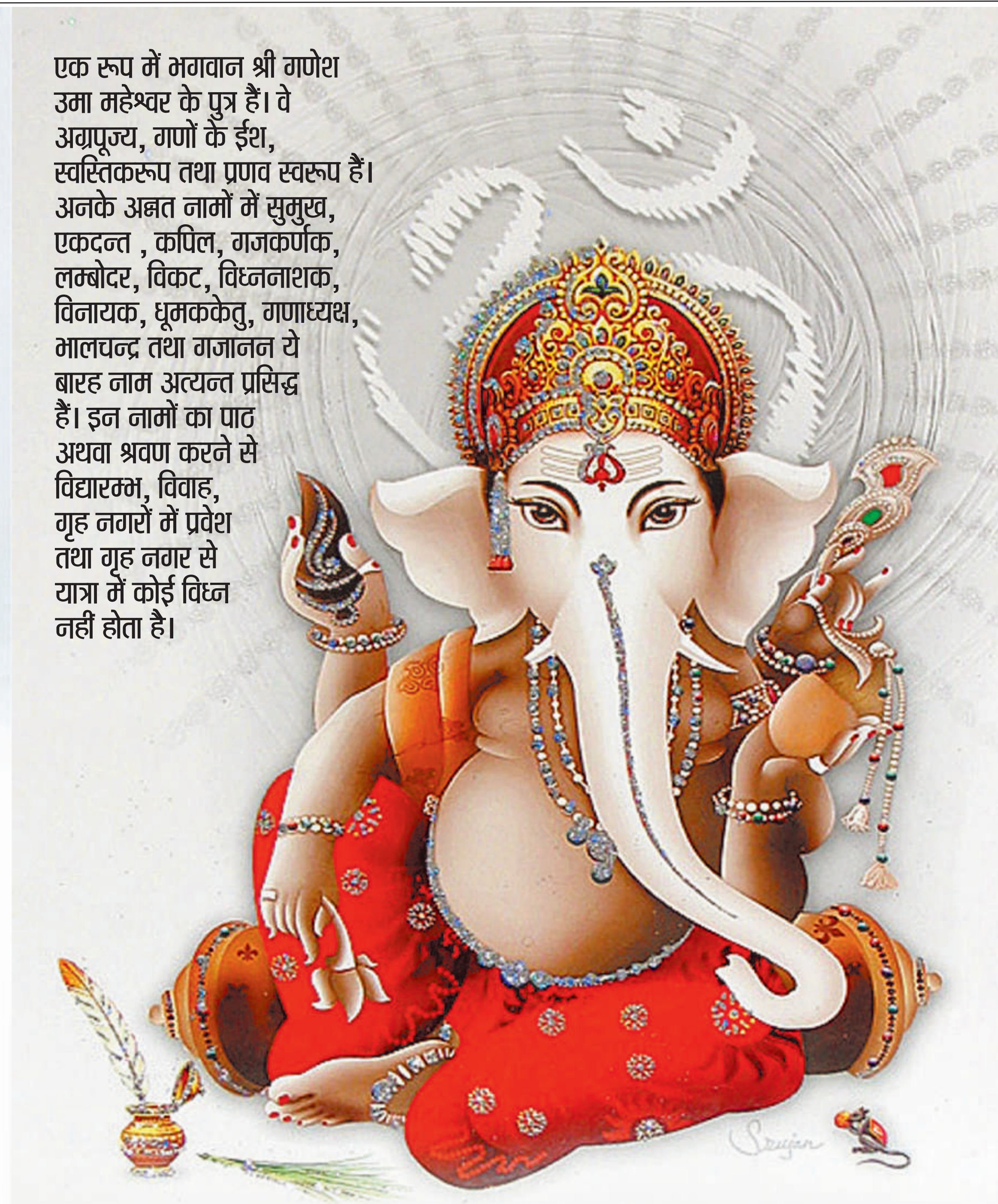

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी–देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं–

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्स्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, कांग्रेस नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। गंग्याल वार्ड नंबर 56 में आज प्रदेश कांग्रेस महासचिव सतीश शर्मा की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता, महिला कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान इंदिरा गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सतीश शर्मा ने कहा कि 卐भारत माता की सच्ची पुत्री, लौह महिला इंदिरा गांधी जी ने देश की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।卐 उन्होंने कहा कि 1971 के भारत-पाक युद्ध में इंदिरा गांधी ने अपने साहस और नेतृत्व से पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत किसी के सामने झुकने वाला देश नहीं है।

सतीश शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी जैसी नेता सदियों में एक बार पैदा होती हैं। उन्होंने देश को आत्मनिर्भरता, विज्ञान, कृषि और सुरक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। आज जब देश को फिर से एकता, भाईचारे और धर्मनिरपेक्षता की आवश्यकता है, तब उनके आदर्शों और नीतियों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस अवसर पर बलदेव सिंह वज़ीर, सुमनप्रीत सिंह, संजीव कटल, सवर्ण कुमार, दर्शन लाल, करण सम्राट, सतपाल, दिनेश शर्मा और ओम प्रकाश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और महिलाएँ मौजूद रहीं। सभी ने इंदिरा गांधी के बलिदान को याद करते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

जम्मू विश्वविद्यालय ने कविता में प्रतिध्वनि- जम्मू के स्मारकों को साहित्यिक श्रद्धांजलि का आयोजन किया

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के साहित्यिक क्लब ने उत्साह के तत्वावधान में जम्मू विश्वविद्यालय के ओपन-एयर-थिएटर (एम्फीथिएटर) में कविता में प्रतिध्वनि- जम्मू के स्मारकों को साहित्यिक श्रद्धांजलि शीर्षक से एक प्रेरक साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम साहित्य की शक्ति जिसमें कहानी, कविता और गद्य शामिल हैं के माध्यम से जम्मू की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने का एक रचनात्मक प्रयास था। अतीत का संरक्षण, भविष्य को प्रेरित करना卐 विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र समुदाय के बीच शहर के ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ विकसित करना था।

जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने साहित्य क्लब द्वारा साहित्य को स्मारकों और इतिहास के साथ खूबसूरती से समाहित करने वाले एक ऐसे आयोजन की परिकल्पना के लिए सराहना की जिसे सीमाओं को तोड़ने और शिक्षा के विकास में एक उल्लेखनीय प्रयोग कहा गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सार विविध विषयों को एकीकृत करके एक अधिक समग्र शिक्षण वातावरण बनाने में निहित है। उन्होंने कहा चाहे वह गणित हो, इतिहास हो या साहित्य - हर क्षेत्र में एक लय और पैटर्न होता है जो हमें ज्ञान की साझा खोज से जोड़ता है और इस दृष्टिकोण को क्रियान्वित करने में क्लब के रचनात्मक प्रयास की सराहना की।

विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक यात्रा में एक मील का पत्थर साबित करते हुए प्रो. राय ने ओपन-एयर थिएटर का नया नाम 卐पद्मा सचदेव सुर संवाद रंगस्थल卐 रखा जो प्रसिद्ध डोगरी कवयित्री और लेखिका पद्मा सचदेव को समर्पित है। यह नाम परिवर्तन डोगरी साहित्य में उनके शाश्वत योगदान और जम्मू की सांस्कृतिक आत्मा को आकार देने में उनकी भूमिका के प्रति एक भावभीनी श्रद्धांजलि है जिनकी आवाज़ और छंद पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर जम्मू में आयोजित हुआ 'सरदार @150 एकता मार्च'

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। भारत के लौह पुरुष और देश की एकता के प्रबल प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जम्मू में 'सरदार@150 एकता मार्च' का भव्य आयोजन किया गया। यह जिला स्तरीय पदयात्रा मेरा युवा भारत (माई भारत) जम्मू द्वारा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में जिला प्रशासन जम्मू के सहयोग से आयोजित की गई।

मार्च को गुलशन ग्राउंड से डिवीजनल कमिश्नर जम्मू रमेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आईजीपी भीम सेन टूटी, डिप्टी कमिश्नर डॉ. राकेश मिन्हास, डीआईजी शिव कुमार, एडीसी अनसूया जम्वाल तथा मेरा युवा भारत, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के राज्य निदेशक निसार अहमद बट भी उपस्थित थे। एकता मार्च गुलशन ग्राउंड से प्रारंभ होकर गुज्जर नगर पुल से होते हुए हरि सिंह पार्क तक निकाला गया। इस कार्यक्रम में 4,000 से अधिक युवाओं, छात्रों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, स्कूली बच्चों, जम्मू-कश्मीर पुलिस एवं बीएसएफ बैंड, अधिकारियों और आम नागरिकों ने भाग लिया।

मार्च के दौरान प्रतिभागियों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने का संकल्प लिया। स्कूली छात्रों और जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के कलाकारों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। एकता दौड़ में विभिन्न झाँकियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन्होंने सरदार पटेल के योगदान और राष्ट्रीय एकता के संदेश को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

सहारन के आशापूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन, हुई सामूहिक प्रार्थना

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। सहारन स्थित प्रसिद्ध आशापूर्णी मंदिर में शुक्रवार को श्रद्धालुओं का एक विशाल आध्यात्मिक समूह एकत्रित हुआ, जहां भक्तों ने देवी आशापूर्णी के चरणों में भावभीनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पवित्र अनुष्ठानों के संपन्न होने के बाद उपस्थित भक्तों ने समस्त जनकल्याण, समृद्धि और दीर्घायु के लिए सामूहिक प्रार्थना की। मंदिर में आये एक श्रद्धालु आर.एल. कैथ ने देवी आशापूर्णी की दिव्यता का गुणगान करते हुए कहा कि वे एक चमत्कारी, दयालु और कृपालु देवी हैं जो अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएँ पूर्ण करती हैं। आशापूर्णी शांति और परोपकार की प्रतीक हैं, और जो भी सच्चे मन से उनसे प्रार्थना करता है, उसे वे वरदान, सौभाग्य और सिद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

भाजपा महिला मोर्चा ने श्रद्धा और भक्ति के साथ गोपाष्टमी मनाई

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा ने आश्रम के प्रमुख पंडित राज कुमार जी के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में अम्फाला आश्रम में एक पवित्र समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन और उनकी समर्पित टीम ने गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ गौ माता का पूजन किया।

इस आयोजन को आध्यात्मिक रूप से भव्य बनाने के लिए इस्कॉन की सदस्यों ने भी समारोह में भाग लिया और भाजपा महिला मोर्चा के साथ मिलकर गौ सेवा ही देव सेवा है का संदेश फैलाया। उनके भक्तिमय भजनों और कीर्तनों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया जो हर सनातनी हृदय को जोड़ने वाली सद्भावना और साझा भक्ति को दर्शाता है समारोह को संबोधित करते हुए एडवोकेट नेहा महाजन ने युवाओं में सनातन मूल्यों को पुनर्जीवित करने और उन्हें गौ सेवा में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करने के महत्व पर ज़ोर दिया जो न केवल हमारी संस्कृति को जीवित रखती है बल्कि प्रकृति और देवत्व के साथ हमारे जुड़ाव को भी गहरा करती है। उन्होंने कहा गौ माता की सेवा केवल एक परंपरा नहीं है - यह एक पवित्र कर्तव्य है जो हमारे नैतिक ताने-बाने को मजबूत करता है और आने वाली पीढ़ियों को सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

भारतीय महिलाएँ साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के नए अध्याय लिख रही हैं : संजीता

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर महासचिव और मुख्यालय प्रभारी संजीता डोगरा ने कहा कि आज की भारतीय महिलाएँ जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर रही हैं चाहे वह विज्ञान हो, तकनीक हो, व्यापार हो, रक्षा हो या खेल। उन्होंने कहा कि भारतीय महिलाएँ न केवल पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं बल्कि कई मौकों पर उनसे आगे निकलकर साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के नए मानक स्थापित कर रही हैं।

संजीता डोगरा ने यह टिप्पणी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में पहुँचने पर बधाई देते हुए की। उन्होंने कहा कि टीम की यह उल्लेखनीय यात्रा पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। खिलाड़ियों की प्रतिभा, टीम भावना और अनुशासन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह सफलता उन लाखों युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो बड़े सपने देखने का साहस रखती हैं और आत्मविश्वास के साथ उन सपनों को पूरा करने का साहस रखती हैं।

खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए संजीता डोगरा ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने खेल भावना, जुनून और राष्ट्रीय गौरव के साथ मैदान पर अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया है कि अगर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ा जाए तो कोई भी सपना असंभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ियों ने अपने दिल, साहस और देशभक्ति की भावना से पूरे देश को एकजुट किया है।

टिपर की चपेट में आने से एक बुज़ुर्ग व्यक्ति की मौत

श्रीनगर, 31 अक्टूबर (हि.स.)। शुक्रवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा ज़िले में एक टिपर की चपेट में आने से एक बुज़ुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि पुलवामा के नेवा के पास सड़क पार करते समय एक बुज़ुर्ग व्यक्ति को एक टिपर ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि उन्हें पहले बोन एंड जॉइंट अस्पताल ले जाया गया और बाद में श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल रेफर कर दिया गया जहाँ उनकी मृत्यु हो गई।मृतक की पहचान अब्दुल रहीम खांडे (85) पुत्र मोहम्मद इस्माइल खांडे निवासी जादूरा पुलवामा के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

विजिलेंस अवेयरनेस रैली का भव्य आयोजन

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। जिला प्रशासन रियासी की ओर से आज विजिलेंस अवेयरनेस रैली का भव्य आयोजन किया गया जिसमें भ्रष्टाचार मुक्त समाज का संकल्प लिया गया। रैली को जिला विकास आयुक्त निधि मलिक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर एसएसपी परमवीर सिंह, एडिशनल एसपी इफ्तिखार अहमद, डीएसपी विशाल सिंह जमवाल, एसएचओ रंजीत सिंह राऊ सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर लगाई दौड़, राष्ट्र की एकता अखंडता और भाईचारे का दिया संदेश

कठुआ, 31 अक्टूबर (हि.स.)। देश के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर के अवसर पर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन कठुआ की ओर से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों, युवाओं और सिविल सोसाइटी के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम को डीसी कठुआ राजेश शर्मा जेकेएएस और एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा-आईपीएस ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला पुलिस लाइन कठुआ से टांगरी कैफे, सरकारी डिग्री कॉलेज कठुआ से होते हुए डीपीओ कठुआ, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी होते हुए वापस जिला पुलिस लाइन कठुआ में समापन हुआ। डीसी राजेश शर्मा और एसएसपी मोहित शर्मा स्वयं भी दौड़ में शामिल हुए, जिससे युवाओं में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। उनके साथ एडिशनल एसपी कठुआ राहुल चरक-जेकेपीएस, डीएसपी डीएआर कठुआ रितेश संब्याल, डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह और अन्य सिविल४पुलिस अधिकारी/कर्मचारी भी मौजूद थे। रन फॉर यूनिटीष् कार्यक्रम में कठुआ जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 350-400 छात्रों के साथ-साथ पुलिस कर्मियों/नागरिक प्रशासन के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का समापन जिला पुलिस लाइन कठुआ में हुआ, जहाँ वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दौड़ का आयोजन किया

कठुआ, 31 अक्टूबर (हि.स.)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा बसोहली में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के अंतर्गत रामलीला मैदान से मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल बसोहली तक दौड़ का आयोजन किया गया। बसोहली के अतिरिक्त उपायुक्त पंकज भगोत्रा ने इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एडीसी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जीवनी पर प्रकाश डाला और सभी से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। एसडीपीओ सुरेश शर्मा ने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों को शपथ दिलाई। सेवानिवृत्त डिप्टी कमांडेंट बीएसएफ भूपेंद्र विकास (राष्ट्रपति पदक धारक) ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके बाद एडीसी और एसडीपीओ ने वीर सावरकर हायर सेकेंडरी स्कूल बसोहली के दौड़ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र तुषार बिलावरिया, पीयूष वर्मा और रोहित सिंह को स्मृति चिन्ह और अन्य प्रतिभागियों को पदक देकर सम्मानित किया।

आईटीआई कॉलेज बनी में मिशन युवा कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। बनी स्थित आईटीआई कॉलेज में मिशन युवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता सीडीपीओ बनी आदित्य कृष्ण डोगरा ने की। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को मिशन युवा योजना के तहत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई। छात्रों को मिशन युवा एप्लिकेशन डाउनलोड करवाई गई और इसके माध्यम से उपलब्ध लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उनके कौशल व क्षमता को प्रोत्साहित करना है।

कश्मीर संभाग के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी संस्थानों के लिए 1 नवंबर, 2025 से नया समय किया जारी

श्रीनगर, 31 अक्टूबर (हि.स.)। कश्मीर स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीएसईके) ने कश्मीर संभाग के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी संस्थानों के लिए 1 नवंबर, 2025 से नए स्कूल समय जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार श्रीनगर नगरपालिका सीमा के भीतर के स्कूल सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक जबकि नगरपालिका सीमा के बाहर और कश्मीर संभाग के अन्य जिलों के स्कूल सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक संचालित होंगे। निदेशालय ने सभी संस्थानों को संशोधित कार्यक्रम का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है और इसे लागू करने के लिए उपायुक्तों, कश्मीर के संभागीय आयुक्त और अन्य संबंधित विभागों को आदेश भेज दिया है। स्कूल के समय में यह बदलाव सर्दियों के महीनों में दिन के कम समय को ध्यान में रखते हुए मौसमी बदलाव के तहत किया गया है।

84 बटालियन सीआरपीएफ ने चंदरकोट, रामबन में रन फॉर यूनिटी आयोजित की

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 84 बटालियन सीआरपीएफ ने चंदरकोट, रामबन में 卐रन फॉर यूनिटी卐 कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी, पुलिसकर्मी, छात्र और स्वयंसेवक शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेंट एन. रणबीर सिंह (84 बटालियन सीआरपीएफ) ने जेपी गेट चंदरकोट से ध्वज दिखाकर किया। इस अवसर पर एडिशनल एसपी रामबन मुजीब-उर-रहमान, हेड मास्टर अब्दुल रहमान, ए.के. दीक्षित, असिस्टेंट कमांडेंट इंदरजीत सिंह, विकास कुमार, दीपक शुक्ला और एसएचओ चंदरकोट सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

यह पांच किलोमीटर लंबी दौड़ जेपी गेट से शुरू होकर बगलीहार हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट गेट होते हुए जी कंपनी 84 बटालियन सीआरपीएफ के मैदान में समाप्त हुई। लगभग 200 प्रतिभागियों ने इस दौड़ में हिस्सा लिया, जिनमें सीआरपीएफ और जिला पुलिस के जवानों के साथ सरकारी स्कूल के छात्र भी शामिल थे।

कमांडेंट रणबीर सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत विविधता में एकता का देश है और सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्वशक्ति के रूप में उभर रहा है और नई पीढ़ी पर इस एकता और सशक्त भारत की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही एक देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और जवानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का समापन हाई टी के साथ हुआ।

जीजीएम साइंस कॉलेज में सतर्कता- हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

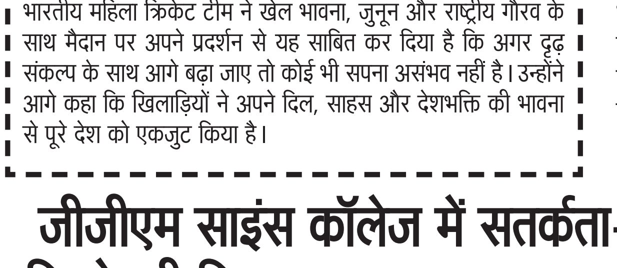

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू के महिला सशक्तिकरण एवं विकास प्रकोष्ठ तथा अंग्रेजी विभाग द्वारा सतर्कता हमारी साझा ज़िम्मेदारी विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के संरक्षण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना खजूरिया, जम्मू विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू क्लस्टर के एसोसिएट डीन डॉ. अशक हुसैन और महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. यास्मीन मुगल ने विशेष रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक अंतर-कॉलेज संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक मंडल में डॉ. सीमा रानी मिन्हास, डॉ. जतिंदर कौर और डॉ. सुनीता कुमारी शामिल थीं। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की विचारोत्तेजक प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। अपने संबोधन में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने कहा कि सतर्कता केवल संस्थागत आवश्यकता नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है जिससे समाज में ईमानदारी और पारदर्शिता बनी रहती है।

डॉ. यास्मीन मुगल ने सतर्कता को सामूहिक नैतिक ज़िम्मेदारी बताया, वहीं डॉ. वंदना खजूरिया ने व्यक्तिगत जवाबदेही को सुशासन की आधारशिला कहा।

संगोष्ठी प्रतियोगिता में मनमीत कौर ने प्रथम स्थान, जसप्रीत सिंह ने द्वितीय स्थान तथा अनिरुद्ध सोढ़ी और हरेश देव सिंह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुलिस जिला हंदवाड़ा में जोश और उत्साह के साथ मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

जम्मू, 31 अक्टूबर (हि.स.)। जिला हंदवाड़ा में राष्ट्रीय एकता दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम जिला पुलिस लाइन हंदवाड़ा में आयोजित हुआ जहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए शपथ ली। यह कार्यक्रम भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के विज़न को समर्पित रहा।

जिले के सभी पुलिस उप-इकाइयों में भी शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए गए। इस अवसर पर एकता और अखंडता के महत्व पर प्रकाश डाला गया और जिला पुलिस लाइन हंदवाड़ा में एक भव्य मार्च पास्ट भी निकाला गया।

दिन की शुरुआत रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम से हुई जो चोटीपोरा हंदवाड़ा से शुरू होकर एनवायरनमेंटल हॉल हंदवाड़ा तक आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एसएसपी हंदवाड़ा, एडिशनल एसपी, एसडीपीओ, डीवाईएसपी डीएआर, एसएचओ और अन्य पुलिस व सिविल प्रशासनिक अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद रहे और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

इसके साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल पर एक फोटो प्रदर्शनी और एकता वृक्ष अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जो राष्ट्रीय एकता, अखंडता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

सरदार वल्लभभाई पटेल का एकता आंदोलन राष्ट्र के लिए ऑक्सीजन है : लद्दाख उपराज्यपाल

लेह, 31 अक्टूबर (हि.स.)। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का एकता आंदोलन राष्ट्र के लिए ऑक्सीजन है और यह केंद्र शासित प्रदेश राष्ट्रीय एकता के उनके दृष्टिकोण को हर दिन साकार करता है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर एकता की शपथ दिलाने के बाद लेह में रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाते हुए उन्होंने लोगों से लद्दाख को राष्ट्रीय एकता की प्रयोगशाला बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एकता सिर्फ़ एक नारा नहीं बल्कि हमारे राष्ट्र की प्राणवायु है। लद्दाख में हम हर दिन उनके दर्शन को आत्मसात करते हैं। यहाँ बौद्ध, मुस्लिम, सिख और ईसाई धर्मों की एकता राष्ट्रीय एकता का एक जीवंत उदाहरण है, एक ऐसा आदर्श जिस पर स्वयं सरदार पटेल को गर्व होता। उपराज्यपाल ने कहा कि आज जब सियाचिन ग्लेशियर और पैंगोंग झील की बर्फीली चोटियों पर तिरंगा गर्व से लहराता है और सभी धर्म यहाँ एक परिवार की तरह रहते हैं तो यह पूरे देश को एक मज़बूत संदेश देता है। उपराज्यपाल ने लद्दाख को भारत का मुकुट बताया और कहा कि ऊँचाई वाले क्षेत्र में नियंत्रण रेखा की रक्षा करने वाला प्रत्येक सैनिक इस मुकुट की रक्षा करने वाला आधुनिक सरदार पटेल है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर मैं हमारे युवाओं से एक संकल्प लेने की अपील करता हूँ। उन्होंने कहा कि आइए हम लद्दाख को (इस राष्ट्र की) राष्ट्रीय एकता की प्रयोगशाला बनाएँ।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सद्भाव और एकता की धुनों को प्रतिबिम्बित करता है जहाँ कारगिल की मस्जिदें और लेह के मठ मिलकर भारत की साझी संस्कृति की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं सरदार पटेल का हवाला देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को यह भूल जाना चाहिए कि वह राजपूत है, सिख है या हिंदू है। उसे केवल यह याद रखना चाहिए कि वह एक भारतीय है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में कुत्तों के काटने के मामले बेहद चिंताजनक

कश्मीर में दो लाख से ज़्यादा कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए हैं, बेहद चिंताजनक है। यह सिर्फ़ आवारा कुत्तों का मामला नहीं है, बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में शहरी प्रशासन, जन स्वास्थ्य तैयारियों और अपशिष्ट प्रबंधन में व्यवस्थागत विफलताओं का प्रतिबिंब है।
2022 और 2025 के बीच, आधिकारिक आँकड़े 2,12,968 कुत्तों के काटने के मामले दर्शाते हैं—कश्मीर में 1,14,498 और जम्मू में 98,470। ये चौंकाने वाले आँकड़े आवारा कुत्तों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि को दर्शाते हैं, खासकर जम्मू ज़िले (54,889 मामले) और श्रीनगर शहर (36,406 मामले) जैसे इलाकों में। यह स्थिति नसबंदी, टीकाकरण और अपशिष्ट निपटान तंत्र की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। हालाँकि सरकार ने जून 2023 और सितंबर 2025 के बीच लगभग 49,000 पशुओं की नसबंदी और टीकाकरण अभियान शुरू किया है, लेकिन समस्या का दायरा इन प्रयासों से कहीं ज़्यादा है। जब हर साल हज़ारों नए पिल्ले पैदा होते हैं, तो ये संख्याएँ शायद ही कोई असर डालती हैं, जो प्रतिक्रियात्मक उपायों और निवारक योजना के बीच असंतुलन को दर्शाता है। यह संकट मूलतः शहरी प्रबंधन की विफलता है। नगर निकाय लंबे समय से कुत्तों के काटने की घटनाओं को अनियमित अपशिष्ट निपटान, तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण और कमज़ोर पशु नियंत्रण प्रणालियों का नतीजा मानने के बजाय, अलग-थलग स्वास्थ्य घटनाओं के रूप में देखते रहे हैं। भरे हुए कूड़ेदान, खुले डंपिंग ग्राउंड और बूचड़खानों का कचरा आवारा कुत्तों की आबादी को बनाए रखता है, जिससे अनियंत्रित प्रजनन और आक्रामकता को बढ़ावा मिलता है। आँकड़ों से असमान प्रशासनिक क्षमता का भी पता चलता है। जहाँ जम्मू और श्रीनगर नगर निगमों ने क्रमशः 13,730 और 27,237 नसबंदी की हैं, वहीं अधिकांश अन्य ज़िलों में पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्रों, पशु चिकित्सा कर्मचारियों और स्वास्थ्य विभागों के साथ समन्वय का अभाव है। बारामूला, कुलगाम और सुंबल में नए केंद्र स्थापित करने की योजनाएँ स्वागत योग्य हैं, लेकिन इसके लिए संसाधनों, प्रशिक्षित कर्मियों और जवाबदेही की आवश्यकता है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से, यह प्रवृत्ति एक टाइम बम की तरह है। कुत्तों के काटने से रेबीज फैलता है, एक ऐसी बीमारी जो लक्षण दिखाई देने पर लगभग 100% घातक हो जाती है। टीकाकरण और घाव प्रबंधन के बारे में जन जागरूकता, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अभी भी कम है। अस्पतालों में एंटी-रेबीज टीकों (एआरवी) की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना और डेटा-साझाकरण प्रणालियों में सुधार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह संकट एक आदर्श बदलाव की मांग करता है—छिटपुट नसबंदी अभियानों से नसबंदी, टीकाकरण, अपशिष्ट नियंत्रण और सामुदायिक भागीदारी को मिलाकर एकीकृत पशु जनसंख्या प्रबंधन की ओर। शहरी स्थानीय निकायों को जिला-स्तरीय कार्य योजनाएँ विकसित करने के लिए पशु चिकित्सा विशेषज्ञों, गैर-सरकारी संगठनों और नागरिकों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। नागरिकों को भी जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। नसबंदी और टीकाकरण सुनिश्चित किए बिना घरों या बाज़ारों के पास आवारा कुत्तों को अंधाधुंध खाना खिलाना समुदायों को जोखिम में डालता है। स्थानीय निगरानी के माध्यम से नैतिक भोजन को विनियमित किया जाना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में कुत्तों के काटने के बढ़ते मामले कोई प्राकृतिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा हैं। अधिकारियों को इसे एक तात्कालिक प्रशासनिक और जन स्वास्थ्य संकट के रूप में देखना चाहिए, न कि एक सामान्य नागरिक उपद्रव के रूप में।

भारत की श्रम संहिताएं- समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 औपचारिक रूप से गिग, प्लेटफ़ॉर्म और असंगठित श्रमिकों को मान्यता देती है तथा केंद्र और राज्यों को उनके लिए समर्पित सामाजिक-सुरक्षा कोष स्थापित करने की सुविधा देती है। एग्रीगेटर्स को टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत, भुगतान का अधिकतम 5 प्रतिशत, योगदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है, जो गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लाभों के वित्तपोषण का एक व्यावहारिक तरीका है। आधार-आधारित पंजीकरण पहले ही अधिसूचित किया जा चुका हैऔर ई-श्रम पोर्टल में 31 करोड़ से अधिक श्रमिक नामांकित हैं।प्रत्येक श्रमिक को एक सार्वभौमिक खाता संख्या (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर, यूएएन) दी गयी है,जिसके जरिये स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व सहायता, या वृद्धावस्था पेंशन जैसे लाभों को नये कार्य-स्थल में स्थानांतरित किया जा सकता है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों।

भूमि और श्रम; भारत के विकास के आधार-स्तंभ हैं—भूमि अवसंरचना और औद्योगिक विकास को गति देती है, जबकि श्रम उत्पादकता और समावेश को बढ़ावा देता है। इस संदर्भ में, भारत की नई श्रम संहिताएं एक परिवर्तनकारी कदम को रेखांकित करती हैं, 29 कानूनों को एक आधुनिक, एकीकृत संरचना में समेकित करती हैं तथा श्रम परिदृश्य में स्पष्टता, एकरूपता और समानता सुनिश्चित करती है।

श्रमिकों के लिए, ये संहिताएं मज़बूत सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल और औपचारिक लाभों तक व्यापक पहुँच की सुविधा प्रदान करती हैं, जबकि व्यवसायों को सरलीकृत अनुपालन, कार्यबल प्रबंधन में लचीलेपन और सभी क्षेत्रों में समान अवसर का लाभ मिलता है। हालाँकि अंतिम प्रभाव कार्यान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा, लेकिन ये संहिताएँ भारत के श्रम बाजार को 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम हैं।

जयपुर में वितरण सेवाओं से लेकर साणंद में तकनीकी भूमिकाओं और गुवाहाटी में निर्माण कार्य तक—विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल की आकांक्षा एक-जैसी है:- सुरक्षित कार्य परिस्थितियों तक पहुँच, उचित पारिश्रमिक और दूसरी जगह ले जाने योग्य एवं विश्वसनीय सामाजिक सुरक्षा। श्रमिक चाहे कारखानों में कार्यरत होंया खेतों में, या प्लेटफ़ॉर्म-आधारित सेवाओं से जुड़े हों, वे तीन प्रमुख आश्वासन चाहते हैं:- आय स्थिरता, पूर्वानुमानित सामाजिक सुरक्षा और रोज़गार में सम्मान। भारत की चार श्रम संहिताएँ इस आकांक्षा को जीवंत वास्तविकता में बदलने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं, ताकि समता और सुरक्षा के सिद्धांत का कार्य जगत में अंतर्निहित होना सुनिश्चित हो सके।

सुधारों के केंद्र में है – सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार। लाखों असंगठित, गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिक, जो भारत के कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, नई व्यवस्था के तहत औपचारिक मान्यता प्राप्त करेंगेऔर कई सुविधाओं के पात्रबन जायेंगे। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा और मातृत्व लाभ के प्रावधान अब औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत श्रेणियों तक इनका विस्तार हो जाएगा। यह बदलाव, न केवल कमजोर श्रमिकों के लिए सुरक्षा सुविधा को मजबूत करता है, बल्कि उद्यमों को रोज़गार को औपचारिक बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक सुरक्षा के समग्र आधार का विस्तार होता है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 औपचारिक रूप से गिग, प्लेटफ़ॉर्म और असंगठित श्रमिकों को मान्यता देती है तथा केंद्र और राज्यों को उनके लिए समर्पित सामाजिक-सुरक्षा कोष स्थापित करने की सुविधा देती है। एग्रीगेटर्स को टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत, भुगतान का अधिकतम 5 प्रतिशत, योगदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है, जो गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लाभों के वित्तपोषण का एक व्यावहारिक तरीका है। आधार-आधारित पंजीकरण पहले ही अधिसूचित किया जा चुका हैऔर ई-श्रम पोर्टल में 31 करोड़ से अधिक श्रमिक नामांकित हैं।प्रत्येक श्रमिक को एक सार्वभौमिक खाता संख्या (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर, यूएएन) दी गयी है,जिसके जरिये स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व सहायता, या वृद्धावस्था पेंशन जैसे लाभों को नये कार्य-स्थल में स्थानांतरित किया जा सकता है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों।

ई-श्रम रजिस्ट्री, वास्तव में, अनौपचारिक श्रमिकों के संदर्भ में भारत का पहला राष्ट्रीय डेटाबेस है— जो समावेशी विकास और आपदा सहनीयता की दिशा में एक आवश्यक कदम है।

व्यवसाय सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियाँ संहिता भी उतनी ही परिवर्तनकारी है, जो सुरक्षा मानदंडों को एकीकृत करती है और विशेष रूप से, महिलाओं को सहमति और सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देती है। यह प्रगतिशील उपाय महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करता है, जबकि सुरक्षा को अनिवार्य बनाए रखता है। ओएसएच संहिता लाइसेंस और निरीक्षण प्रणालियों को भी युक्तिसंगत बनाती है, जो दंड के बजाय रोकथाम की संस्कृति को बढ़ावा देने के क्रम में जोखिम-आधारित, प्रौद्योगिकी-सक्षम अनुपालन की ओर अग्रसर है। इसी तरह, वेतन संहिता सभी क्षेत्रों मेंन्यूनतम वेतन और समय पर भुगतान व्यवस्था को सार्वभौमिक बनाती है, चाहे उनका क्षेत्र या कौशल स्तर कुछ भी हो।

औद्योगिक संबंध संहिता, विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने और सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। विवाद बढ़ने से पहले बातचीत, सुलह और मध्यस्थता को प्रोत्साहित करके, यह संहिता एक अधिक स्थिर औद्योगिक संबंध वातावरण का निर्माण करती है। इसके अतिरिक्त, ट्रेड यूनियन मान्यता और बड़े उद्यमों के लिए स्थायी आदेशों से संबंधित सरलीकृत नियम; नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों में पारदर्शिता और पूर्वानुमान में सुधार को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए हैं।

उद्यमों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए, श्रम संहिताओं का अर्थ है सरल अनुपालन:- मानकीकृत परिभाषाएँ, कम रजिस्टर, डिजिटल रूप से दाखिल करना और बहुत कम अस्पष्टता। भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह वित्त वर्ष 2021-22 में 83.6 बिलियन डॉलर रहा था और वित्त वर्ष 2024-25 में यह 81 बिलियन डॉलर के साथ मजबूत स्थिति में है।

इस अवधि में, भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण सुधारलागू किए, जिनमें श्रम सुधारों का अधिनियमन भी शामिल है। वित्त वर्ष 2021-22 में पूंजीगत व्यय के लिए लगभग 13 लाखकरोड़रुपये से अधिकका उच्चतम आवंटन हुआ। इसकेअलावा, संस्थागत नीति, डिजिटल सुधारों, देश में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने और भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य स्थल बनाने के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए।इसी अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में सुधार तथा सेमीकंडक्टर उद्योग, कोयला क्षेत्र, ऊर्जा और खनिज क्षेत्र को मजबूत करने से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बाजार में देश की स्थिति को और मजबूत करने में योगदान मिला।

फिर भी, कानून पारित करना केवल आधी यात्रा है।

श्रम समवर्ती सूची का विषय है, जिसका अर्थ है कि केंद्र और राज्य दोनों को कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने और अधिसूचित करने होंगे। हालाँकि अधिकांश राज्यों ने चारों संहिताओं के अंतर्गत नियमों का मसौदा तैयार कर लिया है, लेकिन अंतिम अधिसूचना जारी करने की गति असमान बनी हुई है। एक राष्ट्र, एक श्रम कानून व्यवस्था के विज़न को साकार करने के लिए, यह आवश्यक है कि केंद्र और सभी राज्य कार्यान्वयन की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ें।

इस बदलाव को प्रभावी बनाने के लिए, कुछ प्राथमिकताएँ उभर कर सामने आती हैं-

पहला, असंगठित श्रमिकों के कवरेज को क्रियान्वित करना। एग्रीगेटर्स के लिए अंशदान दरों की सूचना देना, पारदर्शी नामांकन और लाभ-वितरण प्रणालियाँ स्थापित करना तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाना। प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए सिंगापुर के केंद्रीय भविष्य निधि (सीपीएफ) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मॉडल, मूल्यवान जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

दूसरा, डिजिटल अवसंरचना को वास्तविक पात्रता में बदलना। ई-श्रम, ईपीएफओ और ईएसआईसी डेटाबेस को लिंक करना, ताकि श्रमिक जहाँ भी जाएँ, लाभ उनके साथ चलें। आधार का उपयोग दूसरी जगह ले जाने की सुविधा (पोर्टेबिलिटी) के लिए किया जाना चाहिए, न कि बहिष्करण के लिए।

तीसरा, जागरूकता और क्षमता का निर्माण। एमएसएमई को संहिताओं को समझने के लिए हेल्प-डेस्क और सरलीकृत मार्गदर्शिकाओं की आवश्यकता है; श्रमिकों को बहुभाषी हेल्पलाइन और ज़मीनी सहायता की जरूरत होती है। सरकार, उद्योग निकायों और यूनियनों के संयुक्त प्रयास यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कागज़ पर लिखे अधिकार, लाभ-प्राप्ति में परिवर्तित होंगे।

मूलतः, यह सुधार इस विश्वास पर आधारित है कि काम सुरक्षित होगा और उचित भुगतान किया जाएगा; सामाजिक सुरक्षा श्रमिक के साथ बनी रहेगीऔर अनुपालन इतना सरल होगा कि सभी इसमें भाग ले सकेंगे। इस संरचना के निर्माण के लिए सरकार प्रशंसा की पात्र है। यदि हम इन्हें गति, पारदर्शिता और सहयोग के साथ कार्यान्वयन करते हैं, तो ये संहिताएँ भारत के अगले विकास अध्याय का आधार बन सकती हैं – व्यवसायों के लिए प्रतिस्पर्धा, श्रमिकों के लिए सम्मानजनक कार्य और निवेशकों के लिए पूर्वानुमानित व्यावसायिक वातावरण।

यही विकसित भारत का सार है – समावेश के साथ विकास और समृद्धि, जो प्रत्येक श्रमिक तक पहुँचती हो।

***

– श्री चंद्रजीत बनर्जी, महानिदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

अपराध और हिंसाः आज की प्रमुख वैश्विक चिंता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दुनिया के देशों की पांच बड़ी चिंताओं में आज सबसे बड़ी चिंता अपराध और हिंसा होती जा रही है। बेरोजगारी भ्रष्टाचार या सामाजिक या लैंगिक असमानता इसके आसपास भी नहीं दिखाई देती है।

दरअसल, दुनिया के देशों के लोग आज सबसे अधिक अपराध और हिंसा से प्रताड़ित हैं। कहीं भी और किसी भी देश के समाचार पत्र या मीडिया चैनलों को देखेंगे तो अपराध और हिंसा की खबरों की भरमार मिल जाएगी। दुनिया के देशों के लोगों से संवाद कायम कर सर्वे के माध्यम से रुझानों की जानकारी देने वाली संस्था इप्सांस की हालिया रिपोर्ट तो यही कहानी कहती है।

इप्सांस की रिपोर्ट की मानें तो दुनिया की पांच बड़ी चिंताओं में 32 प्रतिशत चिंता अपराध और हिंसा की है तो 30 प्रतिशत चिंता सरकारों द्वारा लोगों पर लगाये जाने वाले कर प्रावधानों को लेकर है। सामाजिक असमानता की चिंता 29 प्रतिशत है तो राजनीतिक भ्रष्टाचार और बढ़ती बेरोजगारी चिंता का कारण केवल 28 प्रतिशत बन पा रही है। यह तो उदाहरण मात्र है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि अपराध और हिंसा आज वैश्विक समस्या बनती जा रही है। दुनिया के देशों में कहीं ना कहीं से प्रतिदिन अपराध और हिंसा की खबरें प्रमुखता से सामने आ रही है।

जहां तक हिंसा का प्रश्न है, उसके विषय में तो यह कहना ही पर्याप्त होगा कि जैसे कहावत है कि फलां के तो नाक पर ही गुस्सा बैठा रहता है, लगभग यह स्थिति आज के युवाओं में ही नहीं अपितु अधिकतर नागरिकों में होती जा रही है। घरेलू हिंसा से लेकर संस्थागत हिंसा यानी वर्ग विशेष द्वारा सामूहिक योजनाबद्ध हिंसा आम हो गई है। दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता के चलते असंतोष के हालात, अन्य देशों में अवैध प्रवेश, अवैध निवास, शरणार्थियों की बड़ती भीड़ और हथियारों की सहज उपलब्धता के कारण हिंसा आम होती जा रही है। कई देशों में तो शरणार्थियों या विदेशी प्रवासियों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से हिंसा के हालात पैदा किए जा रहे हैं तो देशों के बीच युद्ध के हालातों के कारण भी हिंसा आम होती जा रही है।

हिंसा का एक बड़ा कारण नई पीढ़ी में बढ़ता असंतोष है। जीवन शैली और रहन-सहन में बदलाव के कारण संवेदनशीलता और आपसी संबंध कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के कारण कुंठा, संत्रास और मानसिक तनाव बढ़ रहा है और यह गुस्से के रूप में सामने आता है। यही कारण है कि गाड़ी टच होने भर या साइड नहीं देने के मामूली वाद-विवाद में बात एक-दूसरे की जान लेने तक पहुंच जाती है।

इसी तरह कई देशों में शरणार्थी या अवैध निवास या अन्य कारणों से संगठित रूप से माहौल खराब करने की प्रवृत्ति आम हो गयी है। फ्रांस में आए दिन होने वाली घटनाएं इसका उदाहरण हैं।

पिछले दिनों इस तरह की घटनाएं अमेरिका सहित दुनिया के बहुत से देशों में देखी गई है। राजनीतिक अस्थिरता की घटनाएं बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल में देखी जा सकती है तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान में जो कुछ घटित हो रहा है वह सामने हैं।

दुनिया के देशों में अपराध और अपराध के तरीकों में भी काफी बदलाव आया है। भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश साइबर ठगी के बढ़ते ग्राफ से दो-चार हो रहे हैं। ठग साइबर ठगी के नित नए रास्ते निकालते हैं। कभी कॉल करके तो कभी क्लोन बनाकर सीधे ही राशि हड़प जाते हैं। इसी तरह अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट का नया रास्ता निकाला है। डिजिटल अरेस्ट के शिकार होने वाले साधारण आदमी ना होकर उच्च शिक्षित और संपन्न नागरिक हो रहे हैं। हालात यह हो रहे हैं कि अपराधी पढ़े-लिखे लोगों को ही ना जाने क्या-क्या कल्पित भय दिखाकर बड़ी राशि ठगने में सफल हो जाते हैं। इसी तरह तकनीक का सहारा लेकर सेक्सटोर्सन आम होता जा रहा है। पैसों वाले लोगों को इस तरह के ठग महिलाओं का गिरोह बनाकर आसानी से शिकार बना रहे हैं।

दुनिया के लगभग सभी देशों में अपराधियों द्वारा ठगी के लिए तकनीक का इस्तेमाल आम होता जा रहा है। लाख प्रयास के बावजूद इस पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। दरअसल, अपराध के नए-नए तरीके सामने आ रहे हैं। अपराधियों की आरएण्डडी अधिक कारगर होती दिख रही है क्योंकि समग्र प्रयासों के बावजूद अपराध की कोई ना कोई नई तकनीक ले आते हैं। जब तक एक तरीके का तोड़ ढूंढा जाता है तब तक अपराध का नया तरीका सामने आ जाता है। ऐसे में दुनिया के देशों को हिंसा और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के समानांतर आरएण्डडी सेल विकसित करनी होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विकास की नई ऊंचाइयां छूने को तैयार मध्य प्रदेश

– जगदीश देवड़ा

अगले 10 वर्षों में राज्य में उद्योग और सेवाओं में वृद्धि होगी क्योंकि निवेश और उत्पादन में मध्य प्रदेश देश के निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तत्पर है। वैश्विक स्तर पर उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय ग्रामीण उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने की ओर हम अग्रसर हैं।

मध्य प्रदेश अपनी स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहा है। सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं। देश के नागरिकों के लिए यह शुभ अवसर है।

उत्साह और उल्लास के साथ यह अवसर देश की उपलब्धियों पर गर्व करने का है। आज उन सभी महान विभूतियों को याद करने का भी अवसर है, जिन्होंने मध्य प्रदेश के निर्माण में अपना योगदान दिया।

आज हम इस बात को दृढ़ आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि मध्य प्रदेश अब पूरी तरह से बदल चुका है। अब और अधिक ऊंचाइयां तय करने के लिए तैयार है। मध्य प्रदेश के सामने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है।

भारत के अमृतकाल में मध्य प्रदेश ने भी अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण करना सर्वोच्च लक्ष्य है। इसे हासिल करते हुए मध्य प्रदेश स्वयं भी पूर्ण रूप से विकसित राज्य बन जाएगा।

अर्थव्यवस्था की दृष्टि से मध्य प्रदेश आज महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए तैयार है।

मध्य प्रदेश अपनी युवा शक्ति के साथ आर्थिक विकास को तेज गति से आगे ले जाने की क्षमता रखता है। मध्य प्रदेश की धरा पर हर ज़रूरी संसाधन हैं जो विकास के लिए आधार स्तंभ हैं। कृषि क्षेत्र में खाद्यान्न, दलहन उत्पादन में अग्रणी राज्य है। आधुनिक सिंचाई की आदर्श संरचनाएं स्थापित हैं। बिजली की भरपूर उपलब्धता है।

ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार और पर्याप्त औद्योगिक निवेश है। उद्योगों के लिए 1.2 लाख एकड़ से अधिक लैंड-बैंक है। वर्तमान में 112 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे हैं। साथ ही 14 ग्रीन फील्ड औद्योगिक स्थलों की भी पहचान की गई है। उद्योगों के लिए सबसे ज्यादा आकर्षक नीतियां मध्य प्रदेश ने बनाई हैं, जिससे देश में व्यवसाय करना बहुत आसान हो गया है।

प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि के लिए मध्य प्रदेश विख्यात है। यहां की जमीन उपजाऊ है, जल संसाधनों की कमी नहीं है। भारत की सबसे बड़ी वन संपदा राज्य में उपलब्ध है।

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी है। वर्ष 2029 तक राज्य की जीएसडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश ने एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां गरीब से गरीब व्यक्ति भी समृद्ध हो।

संपूर्ण विकसित मध्य प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को आर्थिक विकास, भौतिक अधोसंरचना, सामाजिक अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास करने होंगे।

इसके लिए इसी वर्ष चार मुख्य मिशन को लॉन्च किया गया है। इसका उद्देश्य गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति को सशक्त बनाना है। ये चारों मिशन मध्य प्रदेश 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आधार स्तंभ साबित होंगे। मध्य प्रदेश उद्योग और सेवाओं पर आधारित अर्थव्यवस्था की संरचना और रणनीति में बदलाव की योजना बना रहा है।

अगले 10 वर्षों में राज्य में उद्योग और सेवाओं में वृद्धि होगी क्योंकि निवेश और उत्पादन में मध्य प्रदेश देश के निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तत्पर है। वैश्विक स्तर पर उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय ग्रामीण उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने की ओर हम अग्रसर हैं। 'वेदेशी' की अवधारणा को मध्य प्रदेश में प्रचलित होने का एक अनुकूल वातावरण मिला है। 'वेदेशी' अर्थव्यवस्था को अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में हम सभी 'वेदेशी' अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए तत्पर हैं। सबसे जरूरी कृषि और संबंधित क्षेत्रों का विकास करना है, इसके लिए क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर किसानों को मदद की जाएगी। एग्रो प्रोसेसिंग हब, कोल्ड चेन, बाजार संपर्क, उत्पाद के मूल संवर्धन को अधिकतम करते हुए एक विस्तृत रोड मैप तैयार किया जाएगा।

भौतिक अधोसंरचना में सिंचाई एक बड़ा क्षेत्र है। मध्य प्रदेश की तैयारी है कि 2029 तक शुद्ध बोए गए क्षेत्र में सिंचाई का क्षेत्र 85त्न तक पहुंच जाए। इसी प्रकार वर्ष 2030 तक ऊर्जा क्षेत्र में 50त्न नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। ऊर्जा की वर्तमान स्थापित क्षमता 27109 मेगावाट है जिसे 2029 तक बढ़ाकर 60,000 मेगावाट करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जिस प्रकार से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आ रहा है उससे यह लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाएगा। सामाजिक आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्कूल शिक्षा में सकल नामांकन दर को 2029 तक 90त्न और उच्च शिक्षा में 35त्न तक ले जाने का लक्ष्य है।

इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना को भी निरंतर मजबूत बनाने के प्रयास हैं। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 8000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। मध्य प्रदेश खुद को एक क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है जिसमें उज्जैन मेडिसिटी जैसी पहल शामिल है। इसी प्रकार शहरों की अधोसंरचना सुधारने के लिए स्थानीय निकायों को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। ग्राम पंचायतों को निरंतर सक्षम बनाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूल मंत्र है 'सबका साथ, सबका विकास'। इसे आत्मसात करते हुए मध्य प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयां छूने के लिए तैयार है। नागरिकों के सहयोग से विकास के नए लक्ष्यों को प्राप्त करना कठिन नहीं है। भारत देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और साथ ही मध्य प्रदेश भी तेजी से बदल रहा है। एक बार पुनः मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक – मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री हैं)

छात्रा वर्ग के टेबल टेनिस में नगरोटा बगवां विजेता, तकनीकी विवि की टीम उपविजेता

एजेंसी

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर की तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता (इंटर कॉलेज) के दूसरे दिन कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, जूडो, शतरंज, कैरम बोर्ड, टेबल टेनिस और पिकलबॉल खेल के मुकाबले हुए। वॉलीबॉल (छात्रा वर्ग) के पहले मैच में जेएनजीईसी सुंदरनगर और हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बिलासपुर के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बिलासपुर ने जीत दर्ज की। दूसरे मैच में जीसीपी रोहड़ु ने एलआर सोलन को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, सेमीफाइनल मुकाबले में गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी हमीरपुर और ग्रीन हिल्स सोलन आमने-सामने रहीं, जिसमें ग्रीन हिल्स सोलन की टीम विजयी रही। कैरम बोर्ड छात्र वर्ग में नगरोटा बगवां ने एलआर सोलन को पराजित किया। जबकि दूसरे मैच में तकनीकी विवि हमीरपुर ने एसबीएस पालमपुर पर जीत दर्ज की। छात्रा वर्ग में गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हमीरपुर ने गवर्नमेंट कॉलेज धर्मशाला को हराया। दूसरे मैच में जीसीपी रोहड़ू ने एमजीजीई.सी ज्यूरी को मात देकर जीत हासिल की। एचपीटीयू हमीरपुर और गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हमीरपुर के बीच मैच खेला गया, जिसमें गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने शानदार जीत दर्ज की। बैडमिंटन (छात्रा वर्ग एकल) पहले दिन गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हमीरपुर ने एच.ई.आई.टी. शाहपुर को हराकर जीत दर्ज की। पीजी कॉलेज धर्मशाला ने जीसीपी रोहडू को पराजित किया, जबकि जीसीपी रक्कड़ ने ग्रीन हिल्स सोलन को मात दी।

अभिषेक नायर बने कोलकाता नाइट राइडर्स के नए मुख्य कोच

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) फ्रेंचाइजी ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। नायर ने चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जिन्होंने तीन सीजन तक टीम की कमान संभाली थी, जिनमें 2024 का खिताबी सीजन भी शामिल है। केकेआर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। पंडित और फ्रेंचाइजी के बीच इस साल की शुरुआत में रास्ते अलग हो गए थे, जिसके बाद केकेआर ने नए कोच की तलाश शुरू की थी। नायर की नियुक्ति के साथ फ्रेंचाइजी ने एक बार फिर भारतीय कोच पर भरोसा जताने की परंपरा को आगे बढ़ाया है। 42 वर्षीय नायर को खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन दोनों के बीच आधुनिक और प्रगतिशील कोचिंग तरीकों के लिए खासा सम्मान प्राप्त है। वे पिछले पांच वर्षों से केकेआर के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रहे हैं। हालांकि 2025 सीजन में भारतीय टीम के साथ जुड़ाव के कारण उनकी भूमिका सीमित रही थी। नायर भारतीय टीम के साथ एक साल तक सहायक कोच के रूप में भी काम कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी उनके खिलाड़ी-केंद्रित और समग्र दृष्टिकोण वाले कोचिंग स्टाइल की सराहना करती है।

पीकेएल सीजन 12 का खिताबी फैसला आज, दबंग दिल्ली के.सी. के सामने होगी पुनेरी पलटन

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 का ग्रैंड फिनाले दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दबंग दिल्ली के.सी. और पुनेरी पलटन आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला न सिर्फ खिताब का फैसला करेगा, बल्कि पूरे सीजन की सबसे स्थिर और अनुशासित टीमों के बीच अंतिम जंग भी होगी। दबंग दिल्ली, जिसने सीजन 8 में खिताब जीता था, इस बार भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची है। क्वालिफायर-1 में दिल्ली ने पुनेरी पलटन को रोमांचक 6-4 टाईब्रेकर में हराया था, जब निर्धारित समय में स्कोर 34-34 से बराबर रहा। कप्तान आशु मलिक की अगुवाई में और कोच जोगिंदर नरवाल की रणनीति के तहत टीम ने हर मुश्किल परिस्थिति में संघर्ष और संयम दिखाया है। वहीं पुनेरी पलटन ने क्वालिफायर-2 में तेलुगू टाइटंस को हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। कप्तान अस्लम इनामदार और कोच अजय ठाकुर के नेतृत्व में पलटन ने इस सीजन में सबसे संतुलित टीम के रूप में पहचान बनाई है। उनकी मजबूत रक्षा और युवा रेडर्स की जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाला।

हरमनप्रीत के आउट होने के बाद कैसी थी मानसिकता, जेमिमा ने सेमीफाइनल जीतकर खोला राज

नवी मुंबई। अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रौड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली। दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने कहा, 'मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है। जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से खेलना होगा।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी मैनुअल फ्रेडरिक का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के पहले ओलंपिक पदक विजेता मैनुअल फ्रेडरिक का बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे। फ्रेडरिक भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर थे, जब भारत ने 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में नीदरलैंड्स को हराकर कांस्य पदक जीता था। वे 1978 में अर्जेंटीना में हुए हॉकी विश्व कप में भी भारतीय टीम के गोलकीपर रहे। कन्नूर जिले के बनास्सेरी के निवासी फ्रेडरिक को खेलों में उनके योगदान के लिए वर्ष 2019 में ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के 16

फाइनल्स में टाई-ब्रेक में सफलतापूर्वक रक्षा करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्कूल के दिनों में उन्होंने अपनी खेल यात्रा की शुरुआत बीईएम स्कूल, कन्नूर में एक फुटबॉल स्ट्राइकर के रूप में की थी। बाद में सेंट माइकल्स स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने हॉकी में गोलकीपर की भूमिका निभानी शुरू की। केवल 17 वर्ष की आयु में उन्होंने मुंबई हॉकी एसोसिएशन द्वारा आयोजित बॉम्बे गोल्ड कप में हिस्सा लिया। जल्द ही वे राष्ट्रीय टीम में चुने गए और 1971 में उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। मैनुअल फ्रेडरिक के निधन से भारतीय खेल जगत ने एक सच्चे समर्पित खिलाड़ी को खो दिया है। हॉकी समुदाय और उनके प्रशंसक उन्हें हमेशा उनकी खेल भावना, समर्पण और देश के लिए किए गए योगदान के लिए याद रखेंगे।

उत्तराखंड की अनीशा 10 किलोमीटर की 3.0 राष्ट्रीय रेड रन मैराथन में आई प्रथम

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखण्ड के लिए दिन गर्व का क्षण बन गया, जब चमोली जनपद के छोटे से गांव लुन्तरा (पो. नंदानगर) की बेटी कुमारी अनीशा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित रेड रन मैराथन 3.0 में देशभर के प्रतिभाशाली धावकों को पछाड़ते हुए महिला वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव/परियोजना निदेशक डॉ. आर. राजेश कुमार ने कुमारी अनीशा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता पूरे उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अनीशा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अनीशा ने 10 किलोमीटर की 3.0 प्रतियोगिता की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) की ओर से नागालैण्ड के दीमापुर जनपद में आयोजित की गई थी। इस मैराथन में देश के 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच उत्तराखंड की अनीशा ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, फिटनेस और आत्मविश्वास के दम पर सबको पीछे छोड़ दिया। उनके इस शानदार प्रदर्शन पर नाको के अपर सचिव एवं महानिदेशक की ओर व उन्हें भारत सरकार की ओर से 50,000 की धनराशि, प्रशस्ति पत्र और स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कुमारी अनीशा इससे पहले भी राज्य स्तर पर आयोजित रेड रन 3.0 में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 5 किलोमीटर मैराथन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उस प्रतियोगिता का आयोजन उत्तराखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति (यूसेक्स) के तत्वावधान में किया गया था। कुमारी अनीशा की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और चमोली जिले के लिए बल्कि पूरे उत्तराखण्ड राज्य के लिए गर्व का विषय है। उनके इस प्रदर्शन ने यह साबित किया है।

भारत की ऐतिहासिक जीतः महिला वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंची टीम इंडिया, ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

नवी मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर इतिहास रच दिया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। नवी मुंबई के डॉ डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 338 रन बनाए। जवाब में भारत ने 48.3 ओवर में पांच विकेट पर 341 रन बनाकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय टीम के लिए जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 134 गेंदों में 14 चौकों की मदद से नाबाद 127 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 88 गेंदों पर 89 रनों की अहम पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम इंडिया को जीत की राह पर ला खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गार्थ और एनाबल सदरलैंड ने दो-दो विकेट हासिल किए। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया का टूर्नामेंट में अजेय रहने का सिलसिला थम गया। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स दोनों भावुक हो गईं। जेमिमा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारत अब 2 नवंबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। दक्षिण अफ्रीका ने अपने सेमीफाइनल

महिला वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले सबसे बड़ा सफल रन चेज ऑस्ट्रेलिया के नाम था, जिसने इसी विश्व कप में भारत के खिलाफ 331 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। इस जीत के बाद में इंग्लैंड को 125 रनों से हराकर पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में जगह बनाई है। यह तीसरा मौका है जब भारतीय महिला टीम विश्व कप फाइनल में पहुंची है। इससे पहले भारत 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंचा था।

बहरीन में चल रहे तृतीय यूथ एशियन गेम्स के कुश्ती स्पर्धा में जौनपुर के पहलवान जयवीर ने जीता गोल्ड

एजेंसी

वाराणसी। बहरीन में चल रहे तृतीय यूथ एशियन गेम्स में भारत के लिए एक और गौरवपूर्ण पल आया, जब जौनपुर के होनहार पहलवान जयवीर यादव ने 55 किलोग्राम भार वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। जयवीर की इस ऐतिहासिक जीत की खबर मिलते ही वाराणसी और जौनपुर के खेलप्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। वाराणसी के गद्दोपुर हाथी बाजार (जंसा) स्थित जयवीर के ननिहाल पर परिजनों को बधाई देने का तांता लग गया। परिजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने मिठाइयाँ बाँटकर जयवीर की सफलता का जश्न मनाया।

–रोमांचक रहा फाइनल मुकाबला

वाराणसी कुश्ती संघ के संयुक्त सचिव गोरख यादव के अनुसार, फाइनल में जयवीर का सामना जापान के पहलवान से हुआ। मुकाबले के दौरान जयवीर 0-6 से पीछे चल रहे थे और कुश्ती समाप्त होने में मात्र 16 सेकंड बचे थे। इसी बीच जापानी खिलाड़ी ने एक 'भारन्दज' दांव लगाया, जिसका जयवीर ने शानदार काउंटर अटैक करते हुए उसे 'चित'

(वाईफाल) कर दिया। इस अप्रत्याशित पलटवार के साथ जयवीर ने भारत के लिए पाँचवाँ स्वर्ण पदक दिलाने का गौरव प्राप्त किया।

भारतीय टीम के साथ बहरीन गए कुश्ती प्रशिक्षक राम सजन यादव भी वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र के निवासी हैं। उन्होंने मोबाइल पर गोरख यादव को जयवीर की जीत का पूरा विवरण साझा किया। जयवीर की सफलता पर उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष करण भूषण सिंह, महासचिव सुरेश चंद्र उपाध्याय, और वाराणसी कुश्ती संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव सिंह 'रानू' ने पहलवान को हार्दिक बधाई दी। गोरख यादव ने बताया कि जयवीर वाराणसी ननिहाल में रहकर ही कुश्ती का ककहरा सीखा और खेल जीवन में पले-बढ़े।

पेरिस मास्टर्स 2025: जैनिक सिनर क्वार्टरफाइनल में पहुँचे, नंबर-1 रैंकिंग की दौड़ बरकरार

एजेंसी

पेरिस। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने गुरुवार को फ्रांसिस्को सेरुंदोलो को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ सिनर ने अपनी इनडोर कोर्ट पर लगातार 23वीं जीत दर्ज की और दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग पर दोबारा कब्ज़ा करने की उम्मीदों को जिंदा रखा। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर को शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह टूर्नामेंट जीतना होगा। क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन, जो पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, ने 12वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव को 7-6(6), 6-3 से हराकर ट्यूरिन (इटली) में होने वाले सीज़न-एंडिंग एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिनर इस सीज़न का पाँचवाँ और करियर का 23वाँ खिताब जीतने की दौड़ में हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते विएना में एटीपी 500

खिताब जीता था, भले ही फाइनल के दौरान उन्हें ऐंठन की परेशानी हुई थी। सिनर ने कहा, 'उम्मीद है मैं शारीरिक रूप से पूरी तरह रिकवर कर लूंगा, यही मेरी प्राथमिकता है। आज का मैच शानदार रहा।' सिनर का शेल्टन के खिलाफ अब तक का रिकॉर्ड 6-1 है। इस बीच, डिफेंडिंग चैंपियन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना को 6-2, 6-4 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी ने एक ऐस के साथ मैच खत्म किया और अब उनका सामना 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव से होगा – जो 2020 के चैंपियन हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह 22वां मुकाबला होगा। अब तक मेदवेदेव 14-7 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मैचों में ज़्वेरेव को हराया है। वहीं, 40वीं रैंकिंग वाले वैलेन्टिन वाशेरो (मोनाको) का शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को 7-6(4), 6-4 से हराकर लगातार दूसरा मास्टर्स क्वार्टरफाइनल खेलना तय किया।

इस महीने उन्होंने शंघाई मास्टर्स में क्वालिफायर से शुरुआत कर खिताब जीता था – वह भी विश्व नंबर-240 रैंक से! वाशेरो ने उस टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच को सेमीफाइनल में और अपने चचेरे भाई आर्थर रिंदरनेक को फाइनल में हराया था। वाशेरो का अगला मुकाबला नौवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से होगा, जिन्होंने डैनियल ऑल्टमायर को 3-6, 6-3, 6-2 से मात दी।

हॉकी इंडिया ने भारत को दो ओलंपिक गोल्ड दिलाने वाले के.डी. सिंह 'बाबू' को किया याद

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आज भारतीय हॉकी के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक कुंवर दिग्विजय सिंह 'बाबू' को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने अपने अद्भुत खेल कौशल, नेतृत्व और दृष्टि से भारत की हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। 'बाबू' न केवल मैदान पर अपनी कलात्मक ड्रिब्लिंग और सटीक पासिंग के लिए जाने जाते थे, बल्कि उन्हें 'मेजर ध्यानचंद' का उत्तराधिकारी भी कहा जाता था, जिन्होंने भारत की स्वर्णिम परंपरा को आगे बढ़ाया। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में 1922 में जन्मे के.डी. सिंह ने लखनऊ में कॉलेज स्तर से हॉकी की शुरुआत की। जल्द ही उन्होंने उत्तर प्रदेश की टीम से राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वर्ष 1947 में पूर्वी अफ्रीका दौरे पर उन्होंने मेजर ध्यानचंद के साथ खेलते हुए 70 गोल दागकर सबको चौंका दिया था। 1948 लंदन ओलंपिक में उन्होंने भारतीय टीम के उपकप्तान के रूप में पदार्पण किया और स्वतंत्र भारत को उसका पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। फाइनल में भारत ने ब्रिटेन को 4-0 से हराया था। इसके बाद 1952 हेलसिंकी ओलंपिक में के.डी. सिंह ने कप्तान के रूप में भारत का नेतृत्व किया और नीदरलैंड्स को 6-1 से हराकर लगातार दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। उनकी अद्वितीय उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें 1953 में अमेरिका का हेल्म्स ट्रॉफी प्रदान किया गया, यह सम्मान पाने वाले वे पहले भारतीय थे। उसी वर्ष उन्हें एशिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया और बाद में 1958 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। खेल जीवन के बाद भी उन्होंने भारतीय हॉकी को नई दिशा देने का कार्य जारी रखा।

सेमीफाइनल हार पर एलिसा हीली बोलीं - 'हमने खुद ही अपने लिए मुश्किलें खड़ी कीं'

एजेंसी

नवी मुंबई। महिला वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में भारत के हाथों मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने कहा कि उनकी टीम ने यह मुकाबला खुद अपने हाथों से गंवाया। हीली ने मैच के बाद कहा, 'अच्छा मुकाबला था, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो हमने खुद ही अपने लिए मुश्किलें खड़ी कीं। शायद पहली बार ऐसा लगा कि हमने अपनी गलती से मैच खोया। हम बल्ले से मैच को अंत तक नहीं ले जा पाए, गेंदबाज़ी भी उतनी सटीक नहीं रही और फील्डिंग में तीन आसान कैच छोड़े – फिर भी हम आखिरी ओवर तक टिके रहे। इसका मतलब है कि हमने लड़ाई की, लेकिन अंत में हमसे बेहतर टीम जीत गई।' ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 34वें

ओवर में दो विकेट पर 220 रन बना लिए थे और लग रहा था कि टीम 350 के पार जाएगी, लेकिन लगातार विकेट गिरने से पूरी टीम 338 रन पर 49.5 ओवर में ऑलआउट हो गई। फील्डिंग में टीम ने तीन कैच छोड़े, जिनमें से दो जेमिमा रॉड्रिग्स के थे – जिन्होंने नाबाद 127 रन की ऐतिहासिक पारी खेली और भारत को रिकॉर्ड चेज में मदद की। हीली ने कहा, ÷हमने मौके बनाए, दबाव भी बनाया, लेकिन उन्हें भुना नहीं सके। इसमें मेरी भी गलती है। ऑस्ट्रेलिया हमेशा फील्डिंग पर गर्व करता है, लेकिन आज हम उस मानक पर खरे नहीं उतरे। शायद इसी वजह से यह हार ज़्यादा तकलीफ़ देती है। उन्होंने इस हार की तुलना पिछले साल के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से की, जब ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका ने हराया था। हीली ने कहा, वो भी ऐसा ही महसूस हुआ था – हम अपने तरीके से नहीं खेले। लेकिन हम इससे सीखेंगे और आगे की एकदिवसीय क्रिकेट में सुधार करेंगे। हालाँकि हार से निराश हीली अपनी टीम के अभियान पर गर्व महसूस कर रही थीं।

क्रिस्टियन क्लार्क को पहली बार न्यूजीलैंड वनडे टीम में मौका, चोटिल हेनरी हुए टीम से बाहर

एजेंसी

वेलिंगटन। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से पहले न्यूजीलैंड टीम में बदलाव किया गया है। नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है। वह चोटिल मैट हेनरी की जगह लेंगे, जो बाएं पिंडली में खिंचाव के कारण सीरीज़ से बाहर हो गए हैं।

मैट हेनरी को हेमिल्टन में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान यह चोट लगी थी। वे अब शुक्रवार (31 अक्टूबर) को क्राइस्टचर्च लौटेंगे। 24 वर्षीय क्लार्क ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने फोर्ड ट्रॉफी में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए अपना पहला लिस्ट ए शतक जड़ा और गेंदबाजी में 3 विकेट लेकर 57 रन दिए, जिससे उनकी टीम ने सेंट्रल स्टैग्स को

हराया। क्लार्क 2020 अंडर-19 विश्व कप में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपने ऑलराउंड कौशल से प्रभावित किया था। साल 2022 से वह नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं और इस वर्ष की शुरुआत में न्यूजीलैंड ए टीम के साथ बांग्लादेश दौरे पर भी गए थे।

ट्रेनिंग के दौरान हादसा, 17 साल के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मौत, टी20 मैच की तैयारी कर रहा था युवा खिलाड़ी

एजेंसी

मेलबर्न : मेलबर्न के 17 साल के क्लब क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान गर्दन पर गेंद लगने से दुखद मौत हो गई। मेलबर्न के बाहरी पूर्वी इलाके में फर्न्ट्री गली में हुई इस घटना के बाद बेन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे। टी20 मैच की तैयारी के लिए साइडआर्म से गेंदें फेंकी जा रही थीं, जिसे 'वैंगर' भी कहा जाता है। हालांकि उन्होंने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन उसमें स्टेम गार्ड नहीं था। बेन अपने साथियों के साथ टी20 मैच से पहले नेट्स में गेंदों से प्रैक्टिस कर रहे थे, तभी उन्हें चोट लगी। एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट और इंटेंसिव केयर पैरामेडिक्स बेन को मोनाश चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ले गए, जहां उनकी मौत हो गई। फर्न्ट्री गली क्रिकेट क्लब ने गुरुवार को उनकी मौत की घोषणा की। क्लब ने एक बयान में कहा, 'हम बेन की मौत से बहुत दुखी हैं, और उनकी मौत का असर हमारे पूरे क्रिकेट समुदाय पर पड़ेगा। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार जेस, ट्रेसी, कूपर और जैक, उनके बड़े परिवार, उनके दोस्तों और उन सभी के साथ हैं जो बेन को जानते थे और उस खुशी को जानते थे जो वह लाते थे। क्रिकेट विक्टोरिया ने बेन के पिता जेस ऑस्टिन और ऑस्टिन परिवार की ओर से एक बयान जारी किया जिसमें लिखा था, हम अपने प्यारे बेन की मौत से बहुत दुखी हैं।

जो डेनली संभालेंगे इंग्लैंड की कमान, हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए दमदार टीम घोषित

एजेंसी

हांगकांग। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अनुभवी क्रिकेटर जो डेनली को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि डैन मौस्ली समेत कई युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी इस दल में शामिल किया गया है। टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर 2025 तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। पिछले वर्ष ओमान के खिलाफ मिली हार के बाद इंग्लैंड की टीम इस बार जोरदार वापसी करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान जो डेनली, जो इंग्लैंड की ओर से टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं, अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ लेग स्पिन से भी योगदान देने के लिए जाने जाते हैं। वहीं, डैन मौस्ली, जो वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, अपने आक्रामक खेल और तेज़ रनों की क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं। क्रिकेट हांगकांग चाइना के निदेशक अनुराग भर्णागर ने कहा, इंग्लैंड जैसी टीम को मैदान पर

अपनी दृढ़ता और टीम भावना के साथ उतरते देखना हमेशा रोमांचक होता है। हमें उम्मीद है कि टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और दर्शकों को बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिलेगा।

इंग्लैंड की पूरी टीम:

जो डेनली (कप्तान), जेम्स कोल्स, ईथन ब्रूक्स, टोबी अल्बर्ट, जॉर्ज हिल, डैन मौस्ली, टॉम ऐस्पिनवॉल। टीम में जेम्स कोल्स, ससेक्स और इंग्लैंड लायंस के प्रतिभाशाली ऑलराउंडर हैं, जो दाएं हाथ से बल्लेबाजी और बाएं हाथ से स्लो ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ईथन ब्रूक्स अपनी तेज़ रफ्तार और उछाल पैदा करने की क्षमता के कारण ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, जबकि टोबी अल्बर्ट, हैम्पशायर के युवा ओपनर, आक्रामक बल्लेबाजी के लिए प्रसिद्ध हैं। जॉर्ज हिल (यॉर्कशायर) बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावी खिलाड़ी हैं, वहीं टॉम ऐस्पिनवॉल, लैंकाशायर के युवा तेज़ गेंदबाज और पूर्व अंडर-19 खिलाड़ी, विकेट लेने की क्षमता के लिए चर्चा में हैं। इस साल के हांगकांग सिक्सेस में कुल 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें विश्व की नंबर-1 टीम भारत, नंबर-2 टीम ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और मेज़बान हांगकांग चीन शामिल हैं। तीन दिनों में कुल 29 मुकाबले खेले जाएंगे। हर मैच छह ओवरों का होगा, जिसमें प्रत्येक टीम में छह खिलाड़ी होंगे। प्रत्येक गेंदबाज एक ओवर डालेगा, जबकि विकेटकीपर को छोड़कर एक खिलाड़ी दो ओवर फेंक सकेगा। टूर्नामेंट के पहले दिन, यानी 7 नवंबर 2025 को, इंग्लैंड की भिड़ंत यूएई और ऑस्ट्रेलिया से होगी।

राजधानी में दो दिवसीय भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में दो दिवसीय भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) 2025 भारत मण्डपम में शुरू हुआ। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा अन्य सरकारी एवं उद्योग-विशिष्ट निकायों के संस्थागत सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में वैश्विक खरीदार, निर्यातक, नीति निर्माता और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अग्रणी लोग भारत के चावल व्यापार और कृषि नवाचार के भविष्य पर विचार-विमर्श के लिए एक मंच पर आए हैं। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक उद्घाटन समारोह से हुई जिसमें भारत की पहली कृत्रिम बुद्धि (एआई)-आधारित चावल छंटाई प्रणाली का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में वैश्विक चावल व्यापार में भारत की बढ़ती प्रमुखता में भारतीय किसानों के योगदान को मान्यता देते हुए अंतरराष्ट्रीय आयातकों द्वारा 17 भारतीय किसानों को सम्मानित किया गया। समारोह में चावल उत्पादन में दक्षता, सटीकता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई उन्नत मशीनरी और प्रसंस्करण समाधानों का भी प्रदर्शन किया गया। आयोजकों की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस आयोजन के पहले दिन भारत और दुनिया भर से कम से कम 7800 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पहले दिन 3000 करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

डीएलएफ का मुनाफा दूसरी तिमाही में 14.55 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1,180 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ जो पिछले वित्त वर्ष के 1,381 करोड़ रुपये की तुलना में 14.55 प्रतिशत कम है। कंपनी ने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। तिमाही के दौरान उसका परिचालन राजस्व 1,975 करोड़ रुपये से 16.81 फीसदी घटकर 1,643 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उसकी नयी बिक्री की बुकिंग 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में 4,332 करोड़ रुपये रही जिसमें मुंबई में उसके पहले प्रोजेक्ट 'द वेस्टपार्क' की अहम भूमिका रही। साथ ही सुपर-लग्जरी सिग्मेंट का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। तिमाही की समाप्ति पर कंपनी के पास 7,717 करोड़ रुपये की नकदी थी। इसके अलावा कंपनी ने तिमाही के दौरान 1,485 करोड़ रुपये का लाभांश दिया और 963 करोड़ रुपये का ऋण चुकाया।

बीएसएनएल ने दूसरी तिमाही में 93 प्रतिशत राजस्व लक्ष्य किया हासिल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5,347 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया जो लक्ष्य का 93 प्रतिशत है। सरकार ने तिमाही के लिए कंपनी को 5,740 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया था। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को बीएसएनएल के दूसरी तिमाही के प्रदर्शन की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मौजूदा वित्त वर्ष के पहले छह महीने में सितंबर तक कंपनी का कुल राजस्व 11,134 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की आय पहली तिमाही में 6,000 करोड़ रुपये रही थी। दूसरी तिमाही में प्रति यूजर बीएसएनएल का औसत राजस्व (एआरपीयू) 91 रुपये रहा जो पहली तिमाही में 81 रुपये था। महाराष्ट्र सर्किल में सबसे अधिक 214 रुपये एआरपीयू रहा। केरल में एआरपीयू 30 प्रतिशत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 13 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, मध्य प्रदेश, झारखंड और कोलकाता सर्किलों में प्रति यूजर औसत राजस्व 60 रुपये से कम दर्ज किया गया। श्री सिंधिया ने कहा कि सेवा की गुणवत्ता के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिये। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी सर्किल में परिचालन में नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। सभी सर्किल को राजस्व बढ़ाने के लिए नये उत्पादों की पेशकश करनी चाहिये।

रिलायंस जियो के सबस्क्राइबरों को 18 महीने तक नि:शुल्क मिलेगा गूगल एआई प्रो का एक्सेस

मुंबई। रिलायंस जियो के सबस्क्राइबरों को 18 महीने तक गूगल एआई प्रो प्लान नि:शुल्क मिलेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गुरुवार को बताया कि गूगल के साथ साझेदारी के तहत इस प्लान की कीमत 35,100 रुपये है। जियो सबस्क्राइबरों को दो टीबी क्लाउड स्टोरेज और गूगल के एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी 2.5 प्रो का एक्सेस भी मिलेगा। जियो के ग्राहक को अद्यतन 'नैनो बनाना' और 'विओ 3.1 मॉडल' के साथ शानदार इमेज और वीडियो बनाने की बढ़ी हुई लिमिट मिलेगी। पढ़ाई और अनुसंधान के लिए नोटबुक एलएम की बढ़ी हुई पहुंच भी मिलेगी। शुरुआत में इस सुविधा को 18 से 25 वर्ष के जियो सबस्क्राइबरों के लिए खोला जायेगा। बाद में इसका विस्तार सभी जियो सबस्क्राइबरों तक किया जायेगा। इसके लिए ग्राहकों के पास 5जी अनलिमिटेड प्लान्स होना अनिवार्य है। रिलायंस की सहायक कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड और गूगल मिलकर जियो ग्राहकों के लिए यह एआई सुविधा शुरू कर रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने कहा, 'हमारा उद्देश्य है कि आने वाले समय में 1.45 अरब भारतीयों तक एआई सेवाएं पहुंचें।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ लेंसकार्ट का आईपीओ, 4 नवंबर को होगी क्लोजिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड का 7,278.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 4 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 6 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 7 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 10 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 382 रुपये से लेकर 402 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 37 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,874 रुपये

का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,10,45,160 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 2,150 करोड़ रुपये के 5,34,82,587 नए शेयर और 5,128.02 करोड़ रुपये के 12,75,62,573 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 30 अक्टूबर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 147 एंकर इनवेस्टर्स से 3,268.36 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड सबसे बड़े इनवेस्टर रहे। इन तीनों एंकर इनवेस्टर्स ने कंपनी से अलग-अलग 12,43,755 शेयर खरीदे। इसके अलावा, जेपी मोर्गन इंडिया फंड, कंपैक्ट स्ट्रक्चर फंड, मोतीलाल ओसवाल डिजिटल इंडिया फंड और व्हाइट ओक कैपिटल मल्टीकैप फंड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 74.84 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 9.98 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.97 प्रतिशत हिस्सा और एंप्लॉयीज के लिए 0.22 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

नई दिल्ली।। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें भारत के निर्यात विकास को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि 29 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने की। बैठक का केन्द्र बिन्दु अधिक बाजार पहुंच के लिए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का उपयोग करना, मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, बाजार विविधीकरण का विस्तार करना तथा क्षेत्रीय तालमेल को मजबूत करना था।बैठक में पीयूष गोयल ने व्यापार सुगमता और भारतीय निर्यातकों के लिए उन्नत वैश्विक बाजार पहुंच के सृजन के लिए चल रही पहलों के माध्यम से सुविधाजनक व्यापार को मजबूत करने के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस बैठक में वाणिज्य विभाग, राजस्व विभाग, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), निर्यात संवर्धन परिषदों और विभिन्न उद्योग संघों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और वाणिज्य विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के दौरान किए गए प्रमुख सुधारों, निर्यात को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से आगामी सुधार उपायों और इस अवधि के दौरान निर्यात प्रदर्शन पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। मंत्रालय ने बताया कि चर्चा में उद्योग जगत से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों, निर्यात विविधीकरण में उपलब्धियों तथा देश से निर्यात को और अधिक बढ़ावा देने के लिए हितधारकों के विचारों और अपेक्षाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों की अनिश्चितता के कारण ग्लोबल मार्केट में बने नकारात्मक माहौल का असर आज घरेलू शेयर बाजार पर साफ-साफ नजर आया। आज के कारोबार में शेयर बाजार गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद थोड़ी देर के लिए खरीदारी का जोर बनता हुआ नजर आया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ा सुधार भी हुआ। हालांकि कुछ देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की गिरावट बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, फाइनेंशियल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में मामूली खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा। पूरे दिन दबाव में कारोबार करने के बाद बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.77 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 472.45 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 474.27 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.82 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,322 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,876 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,291 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,810 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,128 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,682 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 246.23 अंक की गिरावट के साथ 84,750.90 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक कुछ ही देर में ओपनिंग लेवल से 150 अंक से अधिक की रिकवरी करके 84,906.95 अंक तक पहुंच गया।

केनरा बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा 19 फीसदी बढ़कर 4,774 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 19 फीसदी बढ़कर 4,774 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में केनरा बैंक का मुनाफा 4,015 करोड़ रुपये रहा था। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय सालाना आधार पर 34,721 करोड़ रुपये से बढ़कर 38,598 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान ब्याज आय सालाना आधार पर 29,740 करोड़ रुपये से बढ़कर 31,544 करोड़ रुपये हो गई। जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय घटकर 9,141 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 9,315 करोड़ रुपये थी। वहीं, बैंक का परिचालन आय भी बढ़कर 8,588 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,654 करोड़ रुपये रही थी। केनरा बैंक के मुताबिक परिसंपत्ति गुणवत्ता के संदर्भ में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर,

2025 के अंत में सकल अग्रिम के 2.35 फीसदी तक कम हो गईं, जबकि पिछले वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3.73 फीसदी थीं। इसी प्रकार शुद्ध एनपीए या खराब ऋण सितंबर, 2025 के अंत में घटकर 0.54 फीसदी हो गया, जबकि सितंबर, 2024 के अंत में यह 0.98 फीसदी था। इसके अलावा दूसरी तिमाही में प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 30 सितंबर, 2025 तक बढ़कर 93.59 फीसदी हो गया। यह 30 सितंबर, 2024 के अंत में 90.89 फीसदी था।

केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के. सत्यनारायण राजू ने कहा कि बैंक के पास इस गति से कारोबार बढ़ाने के लिए पर्याप्त पूंजी है और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अतिरिक्त पूंजी की कोई आवश्यकता नहीं है।

एनएचएआई ने फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए अपने वाहन को जानें (केवाईवी) प्रक्रिया को बनाया सरल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सुविधा बढ़ाने और समग्र ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने हेतु फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए अपने वाहन को जानें (केवाईवी) प्रक्रिया को सरल बना दिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) के द्वारा जारी संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, गैर-अनुपालन वाले वाहनों के लिए फास्टैग सेवाएं बंद नहीं की जाएंगी और उपयोगकर्ताओं को (केवाईवी) प्रक्रिया पूरी करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि सरलीकृत केवाईवी दिशा-निर्देशों के तहत, कार/जीप/वैन की साइड तस्वीरें अब जरूरी नहीं होंगी। केवल नंबर प्लेट और फास्टटैग वाली सामने की तस्वीर अपलोड करनी होगी। इसके साथ ही वाहन उपयोगकर्ता द्वारा वाहन संख्या, चेसिस संख्या या मोबाइल नंबर दर्ज

करने पर वाहन से आरसी विवरण स्वचालित रूप से प्राप्त करने का प्रावधान भी किया जाएगा। यदि एक ही मोबाइल नंबर पर कई वाहन पंजीकृत हैं, तो उपयोगकर्ता उस वाहन का चयन कर सकेगा जिसके लिए वह केवाईवी पूरा करना चाहता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक सेवाएं जारी रखने के लिए, केवाईवी नीति से पहले जारी किए गए फास्टैग तब तक सक्रिय रहेंगे जब तक कि टैग के ढीले होने या दुरुपयोग की शिकायत न मिले। इसके साथ ही जारीकर्ता बैंक वाहन उपयोगकर्ताओं को केवाईवी पूरा करने के लिए एसएमएस रिमाइंडर भेजेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यदि किसी उपयोगकर्ता को किसी भी कारण से दस्तावेज़ अपलोड करने में कठिनाई होती है, तो जारीकर्ता बैंक ग्राहक से संपर्क करेगा और कनेक्शन काटने से पहले केवाईवी प्रक्रिया पूरी करने में सहायता करेगा। ग्राहक अपने जारीकर्ता बैंक के साथ केवाईवी से संबंधित किसी भी समस्या के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन नंबर 1033 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं या प्रश्न पूछ सकते हैं। केवाईवी नियमों का यह सरलीकरण उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने, फास्टैग प्रणाली को मजबूत करने और देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को सुचारु और निर्बाध अनुभव प्रदान करने की एनएचएआई की प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है।

एप्पल का तिमाही मुनाफा 86 प्रतिशत बढ़ा, भारत में रिकॉर्ड बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल ने जुलाई-सितंबर में शुद्ध लाभ में 86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और भारत में तिमाही राजस्व का रिकॉर्ड बनाया। एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने चौथी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के परिणामों की घोषणा करते हुए कहा, 'बहुत से बाजारों में हमारा राजस्व बढ़ा है और 10 से अधिक बाजारों में हमने चौथी तिमाही का नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें अमेरिका, कनाडा,लातिन अमेरिका,पश्चिमी यूरोप, पश्चिम एशिया, जापान, कोरिया और दक्षिण एशिया शामिल हैं। हमने उभरते हुए बाजारों भी चौथी तिमाही का रिकॉर्ड बनाया है। भारत में अब तक की किसी भी तिमाही का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है। उन्होंने भारत और संयुक्त अरब अमीरात में नये पिछले कुछ समय में नये स्टोर खोलने का भी उल्लेख किया। तिमाही के दौरान आईफोन की बिक्री 49 अरब डॉलर पर रही जो सालाना आधार पर छह प्रतिशत अधिक है। इसमें आईफोन 16 सीरीज का सबसे अधिक योगदान रहा। एप्पल के मुख्य वित्तीय अधिकारी केवन पारेख ने बताया कि भारत में आईफोन की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गयी। वर्ल्ड पैनल के सर्वे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका, जापान, चीन के शहरी इलाकों, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया में आईफोन सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल रहे। तिमाही के दौरान (सेवा और उत्पाद मिलाकर) एप्पल की कुल बिक्री 10,246.6 करोड़ डॉलर रही। पूरे साल के दौरान बिक्री 41,616.1 करोड़ डॉलर दर्ज की गयी जो 6.42 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल मुनाफा 2,746.6 करोड़ डॉलर और पूरे साल में 11,201 करोड़ डॉलर रहा जो क्रमशः 86.39 प्रतिशत और 19.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। सिर्फ एक दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में आज फिर गिरावट का रुख है। आज के कारोबार में सोना 870 रुपये से लेकर 9400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। माना जा रहा है कि अमेरिका और चीन के बीच परस्पर व्यापार को लेकर बना तनाव कम होने के बाद डॉलर में आई मजबूती से सोना और चांदी के भाव में गिरावट आई है। सोना और चांदी की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,21,470 रुपये से लेकर 1,21,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,11,340 रुपये से लेकर 1,11,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये

चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,21,620 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,21,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,21,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,21,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,11,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,21,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,21,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,11,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,21,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,11,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,21,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,21,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,11,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

डॉलर की तुलना में 48 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, स्टॉक मार्केट की कमजोरी, विदेशी निवेशकों द्वारा अपने पैसे की निकासी और डॉलर की मांग में तेजी आने का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में कमजोर होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 48 पैसे फिसल कर 88.70 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 88.22 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की कमजोरी के साथ 88.41 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की कमजोरी लगातार बढ़ती गई। डॉलर की मांग में तेजी आने के कारण भारतीय मुद्रा लुढ़क कर 88.74 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 48 पैसे की गिरावट के साथ 88.70 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया।

आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 36.17 पैसे की कमजोरी के साथ 116.98 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 35.01 पैसे की गिरावट के साथ 103.03 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

तोशिबा सिस्टम्स से पावर ग्रिड को मिला पहला स्वदेशी गैस-इंसुलेटेड स्विचगियर

एजेंसी

हैदराबाद। जापान के तोशिबा समूह की भारतीय इकाई तोशिबा ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम्स (इंडिया) प्रा लि (टीटीडीआई) ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफइंडिया (पावरग्रिड) को देश में विनिर्मित पहले 200केवी मोबाइल गैस-इंसुलेटेड स्विचगियर (एम-जीआईसी) सिस्टम की आपूर्ति की है।टीटीडीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह उपल्ब्धि भारत के ट्रांसमिशन नेटवर्क में तकनीकी नवाचार, मानकीकरण और स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने में पावरग्रिड के नेतृत्व की पुष्टि करती है। 220 केवी एम-जीआईएस प्रणाली को पूरी तरह से पावरग्रिड की परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार डिज़ाइन और निर्मित किया गया है। गैस-इन्सुलेटेड स्विचगियर (जीआईएस) एक सघन, कुशल और अधिक विश्वसनीय प्रणाली है जिसका उपयोग विशेष रूप से सीमित स्थान वाले वातावरण में उच्च-वोल्टेज बिजली के वितरण के लिए किया जाता है । विज्ञप्ति के अनुसार गतिशीलता और तत्काल प्रतिक्रिया की आवश्यकता को समझते हुए, पावरग्रिड ने मोबाइल जीआईएस समाधानों के तकनीकी पहलुओं की अवधारणा और परिभाषा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस प्रणाली का औपचारिक उद्घाटन तेलंगाना स्थित टीटीडीआई के विनिर्माण संयंत्र के निदेशक परियोजनावामसी राम मोहन बुर्रा , कार्यकारी निर्देशक (परिसंपत्ति प्रबंधन) राजिल श्रीवास्तवा और मुख्य महाप्रबंधक-प्रभारी इंजीनियरिंग अभय कुमार की उपस्थिति में किया गया।

शादी सीजन 2025 में देशभर में होने वाली 46 लाख शादियों से 6.5 लाख करोड़ रुपये का होगा व्यापार : कैट

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस शादी सीजन के दौरान देशभर में लगभग 46 लाख शादियां होने का अनुमान जताया है, जिनसे कुल 6.50 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होगा। कारोबारी संगठन कैट की अनुसंधान शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी (सीआरटीडीएस) के अध्ययन से यह बात सामने आई है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने जारी एक बयान में बताया कि कैट की अनुसंधान शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी (सीआरटीडीएस) ने शादियों को लेकर इस बार एक खास अनुमान लगाया है। इस अनुमान के मुताबिक आगामी शादी सीजन 1 नवंबर से 14 दिसंबर, 2025 के दौरान देशभर में लगभग 46 लाख शादियां होंगी, जिनसे कुल 6.50 लाख करोड़ का व्यापार होगा। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि सीआरटीडीएस ने यह व्यापक अध्ययन 15 से 25 अक्टूबर 2025 के बीच देश के 75 प्रमुख शहरों में किया था। इस अध्ययन से पता चला कि भारत की ÷वेडिंग इकॉनमी÷ घरेलू व्यापार का एक मजबूत स्तंभ है, जो परंपरा, आधुनिकता और आत्मनिर्भरता का संगम है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ÷वोकल फॉर लोकल÷ विजन के अनुरूप है।

कैट की अनुसंधान शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी की अध्ययन के अनुसार:-

देशभर में कुल शादियां :- 46 लाख
अनुमानित व्यापारः 6.50 लाख करोड़ रुपये
दिल्ली में शादियां :- 4.8 लाख
दिल्ली का योगदान :- 1.8 लाख करोड़ रुपये

तुलनात्मक रूप से 2024 में 48 लाख शादियों से 5.90 लाख करोड़ रुपये का व्यापार हुआ था। 2023 में 38 लाख शादियों से 4.74 लाख करोड़ रुपये और 2022 में 32 लाख शादियों से 3.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था।

कैट महामंत्री ने कहा कि इस वर्ष शादियों की संख्या लगभग पिछले वर्ष के बराबर है, लेकिन प्रति शादी खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसका कारण बढ़ती आय, कीमती धातुओं की कीमतों में वृद्धि और त्योहारी सीजन में उपभोक्ता विश्वास का बढ़ना शामिल है। उन्होंने कहा कि अध्ययन में यह भी सामने आया कि अब शादी से जुड़े 70 फीसदी से अधिक सामान भारतीय निर्मित हैं, जैसे परिधान, आभूषण, सजावट सामग्री, बर्तन, कैटरिंग आइटम आदि प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कैट के वोकल फॉर लोकल वेडिंग्स अभियान ने चीनी लाइटिंग, कृत्रिम सजावट और गिफ्ट एक्सेसरी जैसे आयातित उत्पादों की मौजूदगी को काफी घटा दिया है। पारंपरिक कारीगरों, ज्वैलर्स और वस्त्र उत्पादकों को भारी ऑर्डर मिल रहे हैं, जिससे भारत की स्थानीय विनिर्माण क्षमता और हस्तकला को नया बल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 6.5 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित शादी खर्च में से वस्त्र एवं साड़ियां 10 फीसदी, आभूषण 15 फीसदी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स 5 फीसदी, सूखे मेवे एवं मिठाई 5 फीसदी, किराना एवं सब्जियां 5 फीसदी, गिफ्ट आइटम 4 फीसदी, अन्य सामान 6 फीसदी हिस्सा लेंगे। वहीं, सेवाओं के क्षेत्र में इवेंट मैनेजमेंट 5 फीसदी, कैटरिंग 10 फीसदी, फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी 2 फीसदी, यात्रा एवं आतिथ्य 3 फीसदी, पुष्प सजावट 4 फीसदी, म्यूजिकल ग्रुप्स 3 फीसदी, लाइट एंड साउंड 3 फीसदी तथा अन्य सेवाएं 3 फीसदी योगदान देंगी।क्षेत्रवार विश्लेषण में खंडेलवाल ने बताया कि नई दिल्ली में 4.8 लाख शादियों से 1.8 लाख रुपये करोड़ का व्यापार होने का अनुमान है, जिसमें सबसे अधिक खर्च आभूषण, फैशन और वेन्यू पर होगा।

वेस्ट बैंक में पिछले साल हमास-इजराइल समझौते के तहत रिहा संदिग्ध नाबालिग आतंकी फिर गिरफ्तार

एजेंसी

यरुशलम। इजराइल के नियंत्रण वाले वेस्ट बैंक में पुलिस ने एक संदिग्ध नाबालिग फिलिस्तीनी आतंकवादी को 29 अक्टूबर की रात दोबारा गिरफ्तार कर लिया। इस संदिग्ध को इसी साल की शुरुआत में इजराइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम समझौते के दौरान रिहा किया गया था। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार वेस्ट बैंक जिला पुलिस ने कहा कि बेथलहम निवासी इस संदिग्ध को लगभग एक साल पहले 25 विस्फोटकों के साथ पकड़ा गया था। जनवरी में समझौते के अंतर्गत उसे रिहा कर दिया गया था। उस पर आतंकवादी समूहों को घरेलू विस्फोटकों की आपूर्ति करने का संदेह है। वेस्ट बैंक जिला पुलिस ने कहा कि कल रात उसके घर पर छापा मारा गया। उसे आतंकवादी गतिविधियों में फिर से शामिल होने के संदेह में पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। हिब्रू मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, वह राहेल के मकबरे के पास हमले की योजना बना रहा था। इजराइल हायोम अखबार के अनुसार, संदिग्ध की उम्र 16 साल है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक्स पोस्ट में कुछ समय पहले दक्षिणी लेबनान में हमले करने की पुष्टि की है। आईडीएफ ने कहा हिज्बुल्लाह के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

दो पाकिस्तानी नागरिकों को चीन अंतरिक्ष संबंधी प्रशिक्षण देगा

जिक्वान। चीन दो पाकिस्तानी नागरिकों को अंतरिक्ष में जाने संबंधी प्रशिक्षण देगा और इसमें चीनी नागरिक भी शामिल होंगे। इन पाकिस्तानियों में एक को बाद में पेलोड विशेषज्ञ के रूप में एक अल्पकालिक अंतरिक्ष उड़ान मिशन में भाग लेने के लिए चुना जाएगा। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने यह घोषणा की । एजेंसी के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने कहा कि इस साल फरवरी में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए एक समझौते के बाद पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए चयन प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर शुरू हो गयी है। चीनी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए चयन प्रक्रिया की तरह यह प्रक्रियाः प्रारंभिक चयन, दसरे दौर और अंतिम चयन में विभाजित है। प्रारंभिक चयन वर्तमान में पाकिस्तान में किया जा रहा है, जबकि दूसरा दौर और अंतिम चयन चीन में होगा। श्री झांग ने कहा कि चयन के दूसरे दौर की तैयारियां पहले से ही चल रही हैं, जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना, शिक्षण सामग्री और उपकरण तैयार करना और प्रशिक्षण अवधि के दौरान रसद सहायता सुनिश्चित करना शामिल है। अंतिम चयन के बाद दो पाकिस्तानी चीनी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ प्रशिक्षण लेंगे। बाद में एक पाकिस्तानी यात्री को एक अल्पकालिक अंतरिक्ष मिशन में पेलोड विशेषज्ञ के रूप में शामिल होने के लिये चुना जायेगा। यह विशेषज्ञ पाकिस्तान के लिए वैज्ञानिक प्रयोग करने के साथ-साथ उड़ान के दौरान नियमित चालक दल के कर्तव्यों की जिम्मेदारी भी संभालेगा।

कतर के प्रधानमंत्री ने हमास पर युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन करने का लगाया आरोप

न्यूयॉर्क। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी ने फिलीस्तीन समर्थक हमास पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए इजराइल के साथ 9 अक्टूबर को हुए युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री ने यह आरोप मंगलवार को राफा में उसके लड़ाकों द्वारा आईडीएफ कर्मियों पर हमला करने और एक रिजर्व अधिकारी की हत्या करने के बाद लगाया गया है। हालांकि अल-थानी ने सीधे-सीधे समूह का नाम नहीं लिया है लेकिन उन्होंने परोक्ष रूप से हमास पर शत्रुता भड़काने का आरोप लगाया और आतंकवादी समूह को 'फिलिस्तीनी समूह' बताया। न्यूयॉर्क शहर में काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में दिए साक्षात्कार में अल-थानी ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में हुई यह घातक घटना कतर के लिए 'बेहद निराशाजनक और हताशा पैदा करने वाली है। श्री अल-थानी ने कहा, कल जो हुआ वह एक उल्लंघन था। उन्होंने स्वीकार किया कि हमास के हमले के बाद मध्यस्थों को उम्मीद थी कि इजराइली सेना जवाबी कार्रवाई करेगी। उन्होंने मंगलवार और बुधवार को इजराइली सेना द्वारा किए गए हमलों का हवाला दिया।

जापान बना वियतनामी श्रमिकों का पसंदीदा गंतव्य

हनोई। इस वर्ष अक्टूबर तक 121,190 वियतनामी नागरिक रोजगार के लिये विदेशों में गये हैं। गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वियतनाम संवाद समिति की रिपोर्ट के अनुसार, वियतनामी श्रमिकों के लिए जापान सबसे पसंदीदा गंतव्य रहा, जहाँ इस अवधि के दौरान 55,049 वियतनामी श्रमिक गये। श्रम विभाग के कार्यवाहक निदेशक वु ट्रुओंग गियांग ने कहा कि घरेलू स्तर की तुलना में विदेशों में वियतनामी

श्रमिक अपेक्षाकृत स्थिर आय अर्जित करते हैं और वे सालाना लगभग 6.5 से 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर वियतनाम भेजते हैं। विभाग के अनुसार, वर्ष 2021 से इस वर्ष के अंत तक विदेशों में गये वियतनामी श्रमिकों की संख्या 636,000 तक पहुँचने की उम्मीद है।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने में अमेरिका की मदद करेगा बीजिंग, ट्रंप अगले साल अप्रैल में जाएंगे चीन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि चीनी प्रेसिडेंट जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात सफल रही। जिन मुद्दों को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव चल रहा था, उन सभी पर बातचीत हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि वह अगले साल अप्रैल में चीन का दौरा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मैं अप्रैल में चीन जाऊंगा और वह उसके बाद किसी समय यहां आएंगे, चाहे वह फ्लोरिडा हो, पाम बीच हो या वाशिंगटन डीसी।' हालांकि, चीनी अधिकारियों ने वार्ता के नतीजों पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। ट्रंप ने बताया कि जिनपिंग ने यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने दक्षिण कोरिया के बुसान में चीनी नेता शी जिनपिंग के साथ मुलाकात के दौरान यूक्रेन में रूस के युद्ध पर चर्चा की। ट्रंप ने कहा कि

दोनों नेता साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं ताकि हम देख सकें कि क्या हम उस युद्ध को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हम इस बात पर सहमत हैं कि दोनों पक्ष आपस में लड़ रहे हैं और कभी-कभी आपको उन्हें लड़ने देना ही पड़ता है, लेकिन (शी) हमारी मदद करेंगे और हम यूक्रेन पर साथ मिलकर काम करेंगे। हम इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।' ट्रंप ने कहा कि उन्होंने चीन द्वारा रूसी तेल खरीदने पर कोई चर्चा नहीं की। ट्रंप ने पिछले हफ्ते दो प्रमुख रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए, जिसके कारण चीनी और भारतीय कंपनियों के कुछ तेल ऑर्डर रद्द या निलंबित कर दिए गए। अब तक दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों ने अमेरिकी नेता की रूसी तेल खरीदना बंद करने की पिछली अपील का बड़े पैमाने पर विरोध किया है। हालांकि बैठक में दोनों नेताओं के बीच क्या चर्चाएं हुई हैं, इसे लेकर अब तक न तो अमेरिका और न ही चीन ने आधिकारिक बयान जारी किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह जरूर कहा है कि जिन मुद्दों पर सहमति बनी है, उन पर जल्द ही हस्ताक्षर भी कर लिए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जिनपिंग के साथ अपनी मुलाकात को रेट भी किया। ट्रंप ने कहा, 'कुल मिलाकर, शून्य से दस के पैमाने पर, जिसमें दस सबसे अच्छा है, मैं कहूंगा कि यह बैठक बारह थी।

पाकिस्तान के खिलाफ अफगानिस्तान के पक्ष में खुल कर आया भारत, कहा- आतंकवाद स्वीकार नहीं

एजेंसी

काबुल। भारत ने अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के बीच टकराव में खुल कर अफगानिस्तान का पक्ष लिया है और पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में चेताया है कि उसके दोनों पड़ोसियों को सीमापार आतंकवाद फैलाने की नीति स्वीकार नहीं है। भारत ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में कुनार नदी पर प्रस्तावित बांध बनाने के लिए वह अफगान सरकार को पूरा सहयोग देगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में अफगानिस्तान सरकार के कुनार नदी पर बांध बनाने के प्रस्ताव में भारत की भूमिका से जुड़े एक सवाल पर कहा, जैसा कि हाल ही में पारित भारत-अफ़ग़ानिस्तान संयुक्त वक्तव्य में ज़ोर दिया गया है, भारत अफ़ग़ानिस्तान के सतत जल प्रबंधन में, जिसमें जलविद्युत परियोजनाएं भी शामिल हैं, सहयोग देने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें सलमा बाँध भी शामिल है, जिसे आज भारत-अफ़ग़ानिस्तान मैत्री बांध कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान से बहकर आने वाली कुनार नदी पाकिस्तान में पानी की आपूर्ति के लिए बहुत अहम स्रोत मानी जाती है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के इस प्रस्ताव पर पाकिस्तान में खलबली मच गयी है और पाकिस्तानी नेताओं ने इस प्रस्ताव को रद्द करने की मांग की है। दरअसल इस नदी पर पानी रुकने से पाकिस्तान में सूखे के हालात बन सकते हैं क्योंकि एक तरफ से भारत ने भी सिंधु जल संधि पर रोक लगा रखी है। अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के बीच में सीमावर्ती इलाकों में टकराव एवं सैन्य संघर्ष से जुड़े एक सवाल पर जायसवाल ने पिछली ब्रीफिंग में दिये गये वक्तव्य को दोहराया।

भारत ने किया, आतंकवादियों को सामूहिक विनाश के हथियार हासिल नहीं होने देने का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में परमाणु शक्ति के शांतिपूर्ण उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आतंकवादियों और अराजक ताकतों के हाथों में सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने से रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने का आह्वान किया जिसे आम सहमति से स्वीकार किया गया। भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की 80 वीं महासभा के अधिवेशन के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1540 समिति के आमसत्र में भाग लिया जिसमें भारतीय पक्ष ने सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को रोकने तथा परमाणु शक्ति के शांतिपूर्ण उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई यह जानकारी ने दी। राज्य सभा सचिवालय द्वारा यहां यह जानकारी साझा की गयी। संसद सदस्य जी.के वासन ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने संबोधन में वैश्विक परमाणु अप्रसार और आतंकवादियों व अराजक तत्वों को सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने से रोकने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आम सहमति से स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि भारत का वार्षिक नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्ट्रेटेजिक ट्रेड कंट्रोल्स (एनसीएसटीसी) भारत की सामरिक व्यापार नियंत्रण प्रणाली और

उन्होंने आतंकवादियों को सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने से रोकने के उपाय के संबंध में संयुक्त राष्ट्र महासभा का वार्षिक संकल्प प्रस्तुत करने में भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया, जिसे अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं पर केंद्रित है, जिसमें संबंधित सरकारी अभिकरणों, उद्योग और संबंधित क्षेत्रों के अन्य हितधारकों, अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं और विदेशी प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी शामिल है।

चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव से नेपाल में मूसलधार बरसात, प्रमुख नदियों में बाढ़ का खतरा

एजेंसी

वॉशिंगटन/बरमूडा। अमेरिका के राष्ट्रीय हरिकेन केंद्र (एनएचसी) ने जानकारी दी है कि तूफान मेलिसा तेजी से उत्तर-पूर्व दिशा की ओर बढ़ रहा है। गुरुवार की रात तक बरमूडा के उत्तर-पश्चिम से गुजरेगी। इसके शुक्रवार तक कमजोर पड़ने की संभावना जताई गई है। बरमूडा में प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए गुरुवार रात को कॉजवे बंद करने तथा सभी स्कूलों एवं फेरी सेवाओं को स्थगित करने का आदेश दिया है। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री माइकल वीक्स ने कहा, हम अपने जीवन पर मंडरा रहे एक और प्राकृतिक खतरे से निपटने के लिए पूरी सतर्कता बरत रहे हैं।

मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे सतर्क रहें, सड़कों से दूर रहें और अपने पड़ोसियों का हाल-चाल लेते रहें। इससे पहले मंगलवार को जमैका में मेलिसा ने इतिहास का सबसे भयानक तूफान बनकर दस्तक दी। 185 मील प्रति घंटे(लगभग 295 किमी/घंटा) की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ यह कैटेगरी-5 हरिकेन के रूप में तट से टकराया, जो अब तक वहां

पहुंचा सबसे शक्तिशाली तूफान था। मोंटेगो बे के एक इलाके में 77 वर्षीय अल्फ्रेड हाइन्स ने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी जान बचाई, 'एक समय पानी मेरी कमर तक था, फिर कुछ ही मिनटों में यह गर्दन तक पहुंच गया। किसी तरह मैंने वहां से निकलकर अपनी जान बचाई।' उन्होंने आगे कहा 'मैं बस चाहता हूं कि यह सब खत्म हो जाए और जीवन फिर से सामान्य हो। 'राजधानी किंग्सटन को बड़े नुकसान से बचा लिया गया, और वहां का मुख्य हवाईअड्डा फिर से खुलने की उम्मीद है। हालांकि, अमेरिकी मौसम सेवा AccuWeather ने अनुमान लगाया है कि मेलिसा से 22 अरब डॉलर तक का आर्थिक नुकसान हो सकता है, और पुनर्निर्माण में एक दशक या उससे अधिक समय लग सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह तूफान जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं का एक और भयावह उदाहरण है, जिसने कैरिबियाई द्वीपों की नाजुक अर्थव्यवस्थाओं को गहरी चोट पहुंचाई है।

चीन-यूएस में ट्रेड डील हुई पक्की, जिनपिंग बोले- 'चीन का विकास अमेरिका के विकास के साथ चल रहा'

एजेंसी

बुसान। दक्षिण कोरिया के बुसान में डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की बहुप्रतीक्षित मुलाकात हुई। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यहां कहा कि चीन का विकास ट्रंप के 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' के दृष्टिकोण के साथ-साथ चलता है। बता दें, उन्होंने यह टिप्पणी बुसान में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बैठक के दौरान कही। राष्ट्रपति शी ने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे की सफलता और समृद्धि में पूरी तरह से मदद करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, 'चीन और अमेरिका को साझेदार और मित्र होना चाहिए। इतिहास ने हमें यही सिखाया है और वास्तविकता भी यही चाहती है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शी ने यह भी कहा कि वह चीन-अमेरिका संबंधों की एक ठोस नींव रखने और दोनों देशों के विकास के लिए एक स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए ट्रंप के साथ काम करना जारी रखने के लिए तैयार हैं। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी नेता

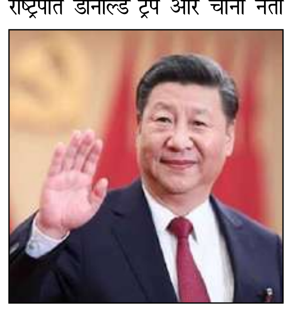

शी जिनपिंग के बीच बैठक के बाद, बीजिंग अपने नवीनतम रेयर अर्थ एलिमेंट्स के निर्यात नियंत्रणों को निलंबित कर देगा। इसके अलावा, चीन अमेरिकी जहाजों पर लगाए गए विशेष बंदरगाह शुल्क को भी निलंबित करेगा। चीनी मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने सहायक कंपनियों पर लगाए गए अपने नए नियमों को एक साल के लिए निलंबित करने पर सहमति व्यक्त की है, और बदले में, चीन भी उसी अवधि के लिए महत्वपूर्ण खनिज निर्यात पर अपने नए प्रतिबंधों को रोक देगा। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका अमेरिकी बंदरगाहों पर आने वाले चीनी जहाजों पर लगाए गए अपने विशेष बंदरगाह शुल्क को भी एक साल के लिए निलंबित कर देगा। इसी तरह, चीन भी अमेरिकी जहाजों पर लगाए गए अपने प्रति-उपायों को एक साल के लिए निलंबित कर देगा। बीजिंग के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, चीन और अमेरिका के नेता शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक के बाद महत्वपूर्ण आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर दोनों पक्षों की तरफ से आम सहमति बनी है। चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में हाल के 'उतार-चढ़ाव' की ओर भी इशारा किया और कहा कि ये दोनों पक्षों के लिए सबक हैं। उन्होंने अमेरिका से अपील की कि वह बदले की राजनीति में फंसने के बजाय सहयोग के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा, 'दोनों टीमें समानता, आपसी सम्मान और पारस्परिकता की भावना से बातचीत जारी रख सकती हैं–विवादों की सूची को कम करते हुए सहयोग की सूची का विस्तार कर सकती हैं।' जिनपिंग ने अपने समकक्ष को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा, आंतरिक और बाहरी चुनौतियों के बावजूद ये उपलब्धियां कड़ी मेहनत से हासिल की गई हैं। हमारे पास सभी प्रकार के जोखिमों और चुनौतियों से निपटने का आत्मविश्वास और क्षमता है।'

भारी बारिश के कारण नेपाल के अधिकांश राजमार्गों पर रात में सफर करने पर रोक

एजेंसी

काठमांडू। भारी बारिश के मद्देनजर नेपाल के गृह मंत्रालय ने देश के अधिकांश राजमार्गों पर अगले दो दिनों के लिए रात में सफर करने पर रोक लगा दी है। गृह मंत्रालय के मुताबिक देश के अधिकांश हिस्सों में बुधवार रात से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ने के चलते हाई-वे पर रात के समय वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। गुरुवार शाम 5 बजे से शुक्रवार सुबह 6 बजे तक और शुक्रवार शाम 5 से शनिवार सुबह 6 बजे तक सभी प्रमुख हाई-वे पर किसी भी वाहन को चलने की अनुमति नहीं होगी। गृह मंत्रालय ने सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि 30 और 31 अक्टूबर को सभी हाई-वे पर शाम 5 से सुबह 6 बजे तक ट्रैफिक पर रोक लगाने के आदेश का कड़ाई से पालन किया जाए।

गृह मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि दिन के समय भी भारी वर्षा की स्थिति में सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से यातायात रोका जा सकता है। सरकार ने सभी निजी एवं सार्वजनिक वाहन चालकों से सतर्कता बरतने की अपील की है, क्योंकि लगातार हो रही वर्षा से नदियों में बाढ़ आने की आशंका बनी हुई है।

बलूचिस्तान में दो छात्र फिर गुमशुदा, पांक ने उठाया मानवाधिकार का मुद्दा

एजेंसी

क्वेटा । बलूचिस्तान में दो और बलूच छात्रों को पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने जबरन गायब कर दिया है। यह घटनाएं उस इलाके में बढ़ती हुई जबरदस्ती गुमशुदा होने की घटनाओं का हिस्सा मानी जा रही हैं। इस जानकारी को एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने साझा किया है। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग पांक ने बताया कि 28 अक्टूबर को 17 साल के बेजान और 19 साल के जहांजेब को उनके घरों से उठाया गया। दोनों छात्र वाशुक जिले के निवासी हैं और अब तक उनका कोई पता नहीं चला है। ये दोनों इस प्रकार की नवीनतम घटनाओं में शामिल हो गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पांक ने बताया कि पाकिस्तान की काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की टीमों ने मिलकर छापेमारी की। इसी दौरान ये दोनों छात्र जबरदस्ती ले जाए गए। उनके अपहरण के बाद से अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है कि वे कहां हैं। बलूचिस्तान में बढ़ते अत्याचारों को

उजागर करते हुए, एक और मानवाधिकार संगठन, बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे), ने बुधवार को चार युवा बलूच छात्रों के जबरदस्ती गुमशुदा होने की घटनाओं की कड़ी निंदा की। बीवीजे के अनुसार, 23 अक्टूबर को पाकिस्तान की फ्रंटियर कोर और सैन्य खुफिया एजेंसियों ने केच जिले के मांड इलाके से हमूद, हारून और फहद बलूच को उठा लिया। इसके अलावा, 17 अक्टूबर को पंजगुर जिले से एक और छात्र आसिम नवाज, को जबरदस्ती ले जाया गया। संगठन ने कहा, ये अपहरण यह दर्शाते हैं कि राज्य द्वारा बलूच लोगों के दमन का सिलसिला जारी है। नाबालिगों और छात्रों को निशाना बनाना यह दिखाता है कि अपराध योजनाबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं। बीवीजे ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि वे इन मामलों को तुरंत देखें और पाकिस्तान पर दबाव डालें ताकि वह जबरदस्ती लोगों को गुमशुदा करने की अपनी नीति को बंद करे। इसी बीच, मांड के परिवारों और स्थानीय लोगों ने अपने अपहृत रिश्तेदारों की वापसी की मांग करते हुए धरना दिया। पांक ने कहा, बलूचिस्तान में अपहरण और गुप्त हिरासत के मामलों में न्याय और जवाबदेही की लगातार अनदेखी करना मौलिक मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। पांक ने आगे कहा, हम प्रभावित परिवारों के साथ हैं और सत्य, न्याय और सभी गुमशुदा लोगों की तुरंत रिहाई की मांग करते हैं।

हुरिकेन मेलिसा से प्रभावित क्यूबा को अमेरिका देगा मानवीय सहायताः विदेश मंत्री मार्को रूबियो

एजेंसी

वॉशिंगटन। हुरिकेन मेलिसा से तबाह क्यूबा के लोगों की मदद के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने तत्काल मानवीय सहायता देने की घोषणा की है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका क्यूबा के लिए सहायता सामग्री भेजने और स्थानीय साझेदारों के माध्यम से मदद पहुंचाने के लिए तैयार है।

रूबियो ने अपने बयान में कहा, 'हुरिकेन मेलिसा से पूर्वी क्यूबा में हुई तबाही के बाद, ट्रंप प्रशासन बहादुर क्यूबाई नागरिकों के साथ खड़ा है, जो अपने बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।' उन्होंने बताया कि विदेश विभाग ने क्यूबा सहित कैरेबियाई क्षेत्र के अन्य देशों के लिए मानवीय सहायता की घोषणा जारी की है। इस सहायता के तहत अमेरिका प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी वस्तुएं भेजेगा।हुरिकेन मेलिसा, जो 185 मील प्रति घंटे (लगभग 298 किमी/घंटा) की रफ्तार वाली हवाओं के साथ आया, ने क्यूबा के पूर्वी हिस्से में घरों को तबाह कर दिया, सड़कों को बहा दिया और हजारों पेड़ उखाड़ दिए। हालांकि अब तक नुकसान का पूरा आकलन नहीं हो सका है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि क्यूबा सरकार ने अभी तक किसी औपचारिक सहायता अनुरोध को अमेरिका को नहीं भेजा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर कठोर नीति अपनाई है और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा शुरू किए गए कई कदमों को वापस ले लिया है। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर्यटन पर अमेरिकी प्रतिबंध को लागू रखने और आर्थिक प्रतिबंध (एम्बार्गो) को जारी रखने का निर्णय लिया है। हालांकि, रूबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी कानूनों में खाद्य, दवा और मानवीय सामग्री की निजी सहायता के लिए छूट दी गई है। उन्होंने कहा, ÷हम उन सभी से आग्रह करते हैं जो सीधे क्यूबा के लोगों की मदद करना चाहते हैं कि वे किसी भी समस्या की स्थिति में हमसे संपर्क करें। विशेषज्ञों के अनुसार, मेलिसा तूफान ने कैरेबियाई क्षेत्र में अभूतपूर्व तबाही मचाई है, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं और बुनियादी ढांचे पर गहरा असर पड़ा है।

बांग्लादेश में जनमत संग्रह कराने की मांग तेज, आठ दलों ने की रैली, चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में जनमत संग्रह कराने और जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने की मांग ने जोर पकड़ लिया। आठ राजनीतिक दलों ने आज अंतरिम सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए राजधानी ढाका के अगरगांव स्थित निर्वाण भवन के बाहर रैली की। इसके बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी और इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश सहित आठ राजनीतिक दलों ने रैली करने के बाद चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंप कर नवंबर में हर हाल में जनमत संग्रह और जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने की मांग की। ज्ञापन में चुनाव आयोग से सभी दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी गई है कि ऐसा न करने पर पिछले आयोग जैसा अंजाम होगा।जमात नेताओं ने रैली में जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने और अगले संसदीय चुनाव से पहले जनमत संग्रह कराने के लिए संवैधानिक आदेशों की आवश्यकता पर जोर दिया। रैली को जमात के सहायक महासचिव अब्दुल हलीम, मुबारक हुसैन, रेजाउल करीम और नजीमुद्दीन मुल्ला आदि ने संबोधित किया। इस्लामी आंदोलन के नेताओं ने भी इस मांग को दोहराया और कहा कि संसदीय चुनाव से पहले जनमत संग्रह कराने में देरी नहीं होनी चाहिए।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया में हुई बड़ी डील, ट्रंप ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की दी मंजूरी

एजेंसी

ग्योंगजू । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूक्लियर टेस्टिंग को लेकर बयान देकर एक नए मुद्दे पर चर्चा छेड़ दी है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। ट्रंप के इस फैसले का दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने स्वागत किया और पूरी प्रक्रिया में अमेरिका के साथ निकट सहयोग करने का संकल्प लिया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने दक्षिण कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने आगे कहा कि यह पनडुब्बी फिलाडेल्फिया के शिपयार्ड में बनाई जाएगी। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने ट्रंप से दक्षिण कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने के लिए परमाणु ईंधन उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। इसके एक दिन बाद ट्रंप की तरफ से इसे मंजूरी दी गई। राष्ट्रपति के प्रवक्ता किम नाम-जुन ने एक प्रेस वार्ता में कहा, हमारी सरकार राष्ट्रपति ट्रंप के इस फैसले का स्वागत करती

है। यह फैसला हमारी रक्षा क्षमताओं और कोरिया गणराज्य की रक्षा में हमारी सेना की भूमिका को और मजबूत करने में मदद करेगा। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, किम ने आगे कहा कि दक्षिण कोरिया आवश्यक उपायों के साथ आगे बढ़ने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करेगा।ट्रंप ने लिखा, मैंने उन्हें पुराने जमाने की डीजल से चलने वाली पनडुब्बियों के बजाय, परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी इस आधार पर दी गई है कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य गठबंधन पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। ट्रंप ने यह भी कहा कि दक्षिण कोरिया अपनी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी का निर्माण अमेरिका के पेंसिल्वेनिया स्थित फिलाडेल्फिया शिपयार्ड में करेगा। ट्रंप की तरफ से मंजूरी मिलने से पहले नौसेना संचालन प्रमुख एडमिरल कांग डोंग-गिल ने संसदीय ऑडिट सत्र में सांसदों को बताया था, 'अगर कोई फैसला हो भी जाता है, तो इसमें लगभग 10 साल लगेंगे। देश की चांगबोगो-III बैच-III श्रेणी की पनडुब्बी परियोजना के तहत परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने का फैसला अभी तक नहीं हुआ है।' उन्नत डीजल-इलेक्ट्रिक हमलावर पनडुब्बियों को हासिल करने के लिए सेना के चांगबोगो-III या केएसएस-III कार्यक्रम के तहत, दक्षिण कोरिया ने 3,000 टन की तीन पनडुब्बियों को सक्रिय ड्यूटी पर तैनात किया है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया ने पिछले हफ्ते अपनी पहली 3,600 टन की नौसैनिक पनडुब्बी लॉन्च की।

खबर संक्षेप

पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहली नवंबर से होगी धान खरीद

लखनऊ, 31 अक्टूबर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पहली नवंबर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान खरीद शुरू होगी, 28 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस अवधि में लखनऊ संभाग के उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी धान खरीद होगी। वहीं पहली अक्टूबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में धान खरीद चल रही है। डबल इंजन सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। वहीं योगी सरकार की नीतियों पर समर्थन जताते हुए दो महीने में 2.17 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली नवम्बर से धान खरीद शुरू होगी। यह खरीद पूर्वी उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

धान बिक्री के लिए पहली सितंबर से पंजीकरण प्रारंभ हो गया था। 31 अक्टूबर (सुबह 11 बजे) तक 2,17,625 किसानों ने पंजीकरण करा लिया। वहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश के 17 हजार से अधिक किसानों से एक महीने के भीतर 1.06 लाख मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद की जा चुकी है। योगी सरकार के निर्देश पर तेज गति से चल रहे कार्य की बदौलत 3920 क्रय केंद्र भी खुल गए हैं।

पुलिस ने राष्ट्रीय एकता दिवस की पूर्व संध्या पर एकता दिवस परेड का आयोजन किया

रामबन, 31 अक्टूबर (हि.स.)। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में रामबन पुलिस ने जिला पुलिस लाइन रामबन में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का आयोजन किया। रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने परेड की सलामी ली और अधिकारियों व जवानों को एकता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर रामबन पुलिस द्वारा एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया जिसमें पुलिसकर्मियों, स्कूली बच्चों और नागरिक समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौड़ को डीसी रामबन ने डीसी कार्यालय मुख्य द्वार, रामबन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और जिला पुलिस लाइन रामबन में इसका समापन हुआ।

कार्यक्रम के बाद भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप सभी प्रतिभागियों को जलपान परोसा गया। सभी प्रतिभागियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ ली और देश को एकजुट करने और इसकी नींव को मजबूत करने में सरदार वल्लभभाई पटेल के असाधारण योगदान को याद किया।

बारामूला में पुलिस वॉलीबॉल टूर्नामेंट का ग्रैंड फिनाले आयोजित

बारामूला , 31 अक्टूबर (हि.स.)। पुलिस वॉलीबॉल टूर्नामेंट (सब-डिवीजन क्रीरी) का ग्रैंड फिनाले आज सैयद रूमी वॉलीबॉल क्लब, श्रकवाड़ा और सरकार वॉलीबॉल क्लब, नौगाम कंडी के बीच खेला गया। एक रोमांचक और रोमांचक मुकाबले में सैयद रूमी वॉलीबॉल क्लब, श्रकवाड़ा टूर्नामेंट का विजेता बना।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसएसपी बारामूला गुरिंदरपाल सिंह आईपीएस उपस्थित थे। इस अवसर पर एसडीपीओ क्रीरी जाविद अहमद, प्रोब. डीएसपी आकाश कपूर, एसएचओ थाना क्रीरी, एसएचओ थाना चंदूसा, प्रभारी पीपी वगूरा, तहसीलदार क्रीरी और नागरिक प्रशासन के कई अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए एसएसपी बारामूला ने विजेताओं को बधाई दी और सभी प्रतिभागी टीमों की खेल भावना और उत्साह की सराहना की। उन्होंने युवा विकास में खेलों की भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा खेल युवाओं में एकता, अनुशासन और उद्देश्य का संचार करते हैं जिससे उन्हें एक मज़बूत और अधिक केंद्रित समाज बनाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम का समापन ज़ोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हुआ जिसमें आयोजन समिति की सराहना की गई और युवाओं में खेल, अनुशासन और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

फिंटर बिलावर में अवैध दवा रखने के आरोप में मेडिकल स्टोर सील

कठुआ, 31 अक्टूबर (हि.स.)। एक त्वरित और समन्वित कार्रवाई में जिला पुलिस कठुआ ने फ़िंटर बिलावर में एक मेडिकल स्टोर को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में सील कर दिया। वहाँ से एक अवैध दवा बरामद की गई।

थाना प्रभारी बिलावर को प्राप्त एक टेलीफोन संदेश ने पुलिस को अवैध दवाओं की एक संदिग्ध खेप के बारे में सचेत किया। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी बिलावर इंस्पेक्टर ज़हीर मुश्ताक के नेतृत्व में पुलिस दल ने पुलिस अधीक्षक कठुआ आमिर इकबाल और एसडीपीओ बिलावर नीरज पडियार की देखरेख में ड्रग इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के साथ मिलकर खेप को रोक लिया। निरीक्षण करने पर टीम ने फ़िंटर बिलावर स्थित गणपति मेडिकोज़ हॉल के पास से प्रीगैबलिन- मिलीग्राम कैप्सूल बरामद किए। बरामद दवा के साथ कोई भी बिल या वाउचर नहीं मिला जो कानून का स्पष्ट उल्लंघन दर्शाता है। इन निष्कर्षों के आलोक में उक्त मेडिकल स्टोर को आदत बनाने वाली दवाओं की अनधिकृत बिक्री और कब्जे के लिए धारा 100 (1)(1) के तहत सील कर दिया गया।

कठुआ प्रशासन ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एकता की शपथ ली

कठुआ, 31 अक्टूबर (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने भारत के लौह पुरुष और राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया।

कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एकता की शपथ ली और राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर बोलते हुए उपायुक्त ने राष्ट्र के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और भारत की विविधता में एकता को बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में सरदार पटेल द्वारा दिखाए गए समर्पण, निष्ठा और सेवा के मूल्यों का अनुकरण करने का आग्रह किया।

केले की खेती

हमारे देश के फलों में केले का प्रमुख स्थान है। इसकी खेती पूर्वी उत्तर प्रदेश में बढ़ती जा रही है। केले का फल पौष्टिक होता है। इसमें शर्करा एवं खनिज लवण जैसे फास्फोरस तथा कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। इसकी खेती निम्न बातों को ध्यान में रखकर की जाये तो आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा।

दोमट भूमि जिसका जल निकास अच्छा हो और भूमि का पी.एच. मान 6 से 7.5 के बीच हो।

गड्ढे की लम्बाई, चौड़ाई एवं गहराई 60× 60× 60 सें.मी. ।

खुदाई का समय अप्रैल-मई

गड्ढे की भराई

गोबर या कम्पोस्ट की सड़ी खाद (20-25 कि.ग्रा. या 2-3 टोकरी) तथा 100 ग्राम बी. एच. सी. प्रति गड्ढा, उपरोक्त पदार्थो को गड्ढे की ऊपर की मिट्टी में मिश्रित करके जमीन की सतह से लगभग 10 सें.मी. ऊँचाई तक भरकर सिंचाई कर देनी चाहिए जिससे मिट्टी मिश्रण गड्ढे में अच्छी तरह बैठ जाए।

पौधों की दूरी एवं संख्या

पौधों एवं कतार की दूरी 1.5× 1.5 मीटर, 4400 पौधे प्रति हेक्टेयर

जून का महीना सबसे उपयुक्त है।

ड्वार्फ कैवेंडिश यह सबसे प्रचलित एवं पैदावार देने वाली किस्म है। इस पर पनामा उक्ठा नामक रोग का प्रकोप नहीं होता है। इस प्रजाति के पौधे बौने होते हैं व औसतन एक घौंद (गहर) का वजन 22-25 कि.ग्रा. होता है जिसमें 160-170 फलियाँ आती हैं। एक फली का वजन 150-200 ग्रा. होता है। फल पकने पर पीला एवं स्वाद में उत्तम होता है। फल पकने के बाद जल्दी खराब होने लगता है।

रोवेस्टा इस किस्म का पौधा लम्बाई में ड्वार्फ कैवेंडिश से ऊँचा होता है और इसकी घौंद या गहर का वजन अपेक्षाकृत अधिक और सुडौल होता है। यह किस्म प्रर्वचित्ती रोग से अधिक प्रभावित होती है। परन्तु पनामा उकठा के प्रति पूर्णतया प्रतिरोधी है।

मालभोग- यह जाति अपने लुभावने रंग, सुगंध एवं स्वाद के लिये लोगों को प्रिय हैं। लेकिन पनामा उक्ठा रोग के प्रकोप से फसल को हानि होती है। इनके पौधे बड़े होते हैं। फल का आकार मध्यम और उपज औसतन होती है।

चिनिया चम्पा यह भी खाने योग्य स्वादिष्ट किस्म हिया जिसके पौधे बड़े किन्तु फल छोटे होते हैं। इस किस्म को परिवार्षिक फसल के रूप में उगाया जाता है।

अल्पान- यह वैशाली क्षेत्र में उगाये जाने वाली मुख्य किस्म है। इस जाति के पौधे बड़े होते हैं जिसपर लम्बी घौंद लगती है। फल एक आकार छोटा होता है। फल पकने पर पीले एवं स्वादिष्ट होते हैं जिसे कुछ समय के लिये बिना खराब हुए रखा जा सकता है।

मुठिया/कुठिया यह सख्त किस्म है। इसकी उपज जल के अभाव में भी औसतन अच्छी होती है। फल मध्यम आकार के होते है जिनका उपयोग कच्ची अवस्था में सब्जी हेतु एवं पकने पर खाने के लिये किया जाता है। फल एक स्वाद साधारण होता है।

बत्तीसा यह किस्म सब्जी के लिये काफी प्रचलित है जिसकी घौंद लम्बी होती है और एक गहर में 250-300 तक फलियाँ आती हैं।

2-3 माह पुरानी, तलवारनुमा पुत्तियाँ हों

टीसू कल्चर से प्रवर्धित पौधे रोपण के लिए सर्वोत्तम होते हैं क्योंकि इनमें फलत शीघ्र तथा समय पर होती है।

300 ग्राम नाइट्रोजन, 100 ग्राम फास्फोरस तथा 300 ग्राम पोटाश प्रति पौधा प्रति वर्ष नाइट्रोजन को पाँच, फास्फोरस को दो तथा पोटाश को तीन भागों में बाँट कर देना चाहिए।

जिसका विवरण निम्नवत है -

पौध रोपण के समय फास्फोरस 50 ग्राम

पौध रोपण के एक माह बाद - नाइट्रोजन 60 ग्राम

पौध रोपण के दो माह बाद = नाइट्रोजन (60 ग्राम) +फास्फोरस (50 ग्रा.) +पोटाश (100 ग्रा.)

पौध रोपण के तीन माह बाद - नाइट्रोजन (60 ग्रा.) + पोटाश (100 ग्रा.)

फूल आने के दो माह पहले - नाइट्रोजन 60 ग्राम

फूल आने के एक माह पहले - नाइट्रोजन (60 ग्रा.) + पोटाश (100 ग्रा.)

खाद एवं उर्वरक को पौधे के मुख्य तने से 10-15 सें.मी. की दूरी पर चारों तरफ गुड़ाई करके मिट्टी में मिला देना चाहिए और पौधे की तुरन्त सिंचाई कर देनी चाहिए।

सामान्यतया बरसात में (जुलाई-सितम्बर) सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है। गर्मियों में (मार्च से जून तक) सिंचाई 5-6 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए। सर्दियों में (अक्टूबर से फरवरी तक) 12-13 दिन के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

अवरोध परत (मल्चिंग)

पौधों के नीचे पुआल अथवा गन्ने की पत्ती की 8 सें.मी. मोटी परत अक्टूबर माह में बिछा देनी चाहिए। इससे सिंचाई की संख्या में 40 प्रतिशत की कमी हो जाती है, खर पतवार नहीं उगते तथा उपज एवं भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ जाती है।

पौधे के बगल से निकलने वाली पुत्तियों को 20 सें.मी. तक वृद्धि करने के पहले ही भूमि की सतह से काट कर निकालते रहना चाहिए। मई-जून के महीन में एक पुत्ती हर पौधे के पास अगले वर्ष पेड़ी की फसल के लिए छोड़ देना चाहिए। फल टिकाव हो जाने पर घार के अगले भाग पर लटकते नर फूल के गुच्छे को काट देना चाहिए। घार निकलते समय बांस/बल्ली की कैंची बनाकर पौधों को दो तरफ से सहारा देना चाहिए।

बरसात से पहले एक पंक्ति के सभी पौधों को दोनों तरफ से मिट्टी चढ़ाकर बांध देना चाहिए।

पत्ती विटिल यह कीट कोमल पत्तों तथा ताजे बने फलों के छिलके को खाता है। प्रकोप अप्रैल-मई प्रारम्भ होकर सितम्बर-अक्टूबर तक रहता है। रोकथाम के लिए इन्ड़ोसल्फान 2 मि.ली. अथवा कार्वरिल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर पहला छिड़काव फूल आने के तुरन्त बाद तथा दूसरा इसके 15 दिन बाद करना चाहिए।

केले का घुन (बनाना विविल)-इस कीट के प्रौढ़ तथा सुंडियां दोनों हानिकारक होते हैं।

इसका प्रकोप बरसात में अधिक होता है।

भूमि सतह के पास तने अथवा प्रकन्द में छेद बनाकर मादा अंडे देती है। इनसे सुंडियां निकलकर तने में छेद करके खाती रहती हैं। इसके फलस्वरूप सड़न पैदा हो जाती है तथा पौधा कमजोर होकर गिर जाता है।

इसकी रोकथाम हेतु

(क) स्वस्थ कंद लगाने चाहिए।

(ख) कंदों को लगाने से पहले साफ करके एक मि.ली. फास्फेमिडान अथवा 1.5 मि.ली. मोनोक्रोटोफास प्रति लीटर पानी के बने घोल में 12 घंटे तक डुबों कर उपचारित कर लेना चाहिए।

(ग) अधिक प्रकोप होने पर एक मि.ली. फास्फेमिडान प्रति 3 लीटर पानी अथवा डाईमेथियोयेट 1.0 मि.ली. अथवा आक्सीडीमेटान मिथाइल 1.25 मि.ली. का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर 15-20 दिन बाद यह छिड़काव दुबारा कर देना चाहिए।

पनामा बिल्ट यह कवक के कारण होता है। इसके प्रकोप से पौधे की पत्तियाँ पीली पड़कर डंठल के पास से नीचे झुक जाती है। अंत में पूरा पौधा सूख जाता है। रोकथाम के लिए बावेस्टीन के 1.5 मि.ग्रा. प्रति ली. पानी के घोल से पौधों के चारों तरफ की मिट्टी को 20 दिन के अंतर से दो बार तर कर देना चाहिए।

तना गलन (सूडोहर्ट राट)- यह रोग फफूंदी के कारण होता है। इसके प्रकोप से निकलने वाली नई पत्ती काली पड़कर सड़ने लगती है। इससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पौधा पीला पड़कर सूखने लगता है। रोकथाम हेतु डाइथेन एम. - 45 के 2 ग्राम अथवा बावेस्टीन के 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल का 2-3 छिड़काव आवश्यकतानुसार 10-15 दिन के अंतर से करना चाहिए।

लीफ स्पाट- यह रोग कवक के कारण होता है। पत्तियों पर पीले भूरे रंग के धब्बे बनते हैं। पौधा कमजोर हो जाता है तथा बढ़वार रुक जाती है।

रोकथाम हेतु डाईथेन एम.-45 के 2 ग्राम अथवा कापर आक्सीक्लोराइड के 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल 2-3 छिड़काव 10-15 दिन के अंतर से करना चाहिए।

बन्चीटाप यह विषाणु द्वारा होता है तथा माहूँ द्वारा फैलता है। रोगी पौधों की पत्तियाँ छोटी होकर गुच्छे का रूप धारण कर लेती हैं। पौधों की वृद्धि रुक जाती है तथा फलत नहीं होती है। रोकथाम हेतु प्रभावित पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए। अगली फसल के रोपण हेतु रोग प्रभावित बाग से पुत्तियाँ नही लेनी चाहिए।

माहूँ के नियंत्रण के लिए दैहिक रसायन जैसे डाईमथियोयेट 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी अथवा 1.0 मि.ली. फास्फेमिडान प्रति 3 लीटर पानी के घोल का छिड़काव करना चाहिए। केले में रोपण के लगभग 12 माह बाद फूल आते हैं। इसके लगभग 3 माह बाद घार काटने योग्य हो जाती है।

भद्रवाह में एआईपीडब्ल्यूएस प्रतिनिधिमंडल ने ईओ से की मुलाकात, क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग के शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 31 अक्तूबर। भद्रवाह नगर समिति क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए ऑल इंडिया पीपल्स वेलफेयर सोसाइटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को नगर समिति भद्रवाह के कार्यकारी अधिकारी रवि सैनी से मुलाकात कर पासरी मोहल्ला वार्ड नंबर 13 में क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग एवं नाली तंत्र के शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एआईपीडब्ल्यूएस अध्यक्ष ज़फर हुसैन वानी ने किया, जिनके साथ महासचिव उमर फारूक ताक, प्रबंधक आयोजक अनिकेत शर्मा और महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष तहूर तबस्सुम भी मौजूद रहीं। वानी ने ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि पिछले महीने हुई तेज बारिश के कारण वार्ड नंबर 13 के पैदल मार्ग की कंक्रीट ब्रेस्ट वॉल ध्वस्त हो गई, जिससे न केवल लोगों के आवागमन में दिक्कतें आईं, बल्कि पीएचई पाइपलाइन और जल निकासी प्रणाली भी बुरी तरह प्रभावित हुई।

वानी ने कहा, इस क्षति से बुजुर्गों और स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हमारी संस्था सदैव जनता के कल्याण और भलाई के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। समाज की सेवा ही हमारा संकल्प है।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि नगर समिति द्वारा अस्थायी मरम्मत कार्य तो कराया गया था, परंतु स्थायी समाधान की आवश्यकता है ताकि भविष्य में जनता को असुविधा न हो।

कार्यकारी अधिकारी रवि सैनी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, हम इस विषय को आगामी विकास योजना में प्राथमिकता से शामिल करेंगे। कंक्रीट दीवार और जल निकासी व्यवस्था के पुनर्निर्माण का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन की सकारात्मक पहल पर संतोष व्यक्त किया और नगर समिति के साथ निरंतर सहयोग बनाए रखने का भरोसा दिया।

श्री खाटू श्याम जी के जन्मोत्सव पर 01 नवंबर को कठुआ में निकाली जाएगी भव्य निशान यात्रा

कठुआ, 31 अक्टूबर (हि.स.)। हारे का सहारा के नाम से प्रसिद्ध श्री खाटू श्याम के जन्मोत्सव कार्यक्रम का शहर में आयोजन किया जा रहा है। श्री श्याम बालाजी सेवा मंडल द्वारा करवाए जा रहे इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए आयोजकों ने शहर के सभी भक्तों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजकों में शामिल वरुण गुप्ता ने बताया कि खाटू श्याम के पाटोत्सव (जन्मोत्सव) के तहत 1 नवंबर को भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार दोपहर 3 बजे से शुरू होने वाली निशान यात्रा टाउन हाल स्थित नाग देवता के स्थान से होकर मुखर्जी चैक, शहीदी चैक, भगत सिंह चैक, जराई चैक से होते हुए मुखर्जी चैक में समापन होगी। इसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा और रात को खाटू श्याम के कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। वहीं अक्षय भारती ने इस कार्यक्रम में शहर के सभी भक्तों को आमंत्रित करते हुए कहा कि कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं । ताकि कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की जा सके। इस मौके पर सेठी, अक्षय भारती, राजेश गुप्ता, गौरव, सुनील त्याल, ललित महाजन, मनोज कुमार, विकी, जतिन, राघव महाजन, अरुण आदि भी मौजूद रहे।

राष्ट्र की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, 31 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया।

उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है कि शिवो भूत्वा शिवं यजेत, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

सरदार पटेल के आदर्शों को आचरण में लाना ही सच्ची श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश से केवड़िया जाएगा सांस्कृतिक दल

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल महोदया के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी अभियान' को मज़बूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है।